शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 313 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 19 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जैन धर्म की शिक्षाएं, शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक... पेज 2
मणिपुर : सुरक्षा बलों ने संवेदनशील जिलों में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किए पेज 3
हमारा संकल्प है कि गोमाता को कटने नहीं देंगे और देश की सुरक्षा से खिलवाड़ ... पेज 5
10 मार्च से शुरु होगा आईपीएल का अगला सत्र : सैकिया पेज 7

## भविष्य के रोजगार बाजार के लिए तैयार रहें युवा : सीएम

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को छात्रों और युवा नौकरी चाहने वालों से उभरते रोजगार के अवसरों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया, और सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), हरित ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण को प्रमुख क्षेत्रों के रूप में पहचाना जिनसे राज्य के भविष्य के रोजगार बाजार को गति मिलने की उम्मीद है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री शर्मा ने उन छात्रों को संबोधित किया जिनके कक्षा 12 की परीक्षा के परिणाम हाल ही में घोषित हुए हैं और उन्हें बदलते आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप अपने करियर की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि आपके कक्षा 12 के परिणाम घोषित हो चुके हैं और आप अपने अगले करियर की योजना बना रहे हैं? ये कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जो आने वाले दिनों में असम के रोजगार बाजार को आकार देंगे। अवसर असीमित होंगे, सुनिश्चित करें कि आप उन्हें हासिल करने के लिए तैयार हैं। पोस्ट के साथ, शर्मा ने *असम के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना* शीर्षक से एक इन्फोग्राफिक साझा किया, जिसमें उन क्षेत्रों को रेखांकित किया गया है जिनके बारे में राज्य सरकार का मानना है कि वे आने वाले वर्षों में रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा करेंगे। इन्फोग्राफिक के अनुसार, सेमीकंडक्टर क्षेत्र से चिप निर्माण और संबंधित उद्योगों में नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जो इस क्षेत्र के लिए पहली बार होगा। मोरीगांव जिले के जगीरोड में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा की स्थापना के बाद असम सेमीकंडक्टर निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को एक तेजी से विस्तार करने वाला क्षेत्र बताया, जो युवा पेशेवरों के लिए प्रौद्योगिकी और डेटा-आधारित करियर के अवसर खोलेगा। सौर ऊर्जा, जल विद्युत और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं सहित हरित ऊर्जा को रोजगार की प्रबल संभावनाओं वाले एक अन्य क्षेत्र के रूप में पहचाना गया। उन्नत विनिर्माण, जिसमें कुशल कारखाना संचालन और आधुनिक उत्पादन भूमिकाएं शामिल हैं, को भी भविष्य में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों में सूचीबद्ध किया गया। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब असम सरकार राज्य की बढ़ती युवा आबादी के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने हेतु औद्योगीकरण, कौशल विकास और निवेश प्रोत्साहन पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है। अधिकारियों ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और अवसंरचना परियोजनाओं में चल रहे निवेश से असम पूर्वोत्तर में एक प्रमुख रोजगार केंद्र के रूप में विकसित होने की उम्मीद है।

## असम विस उपाध्यक्ष पद के लिए हब्बे टेरोन होंगे भाजपा के उम्मीदवार

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को घोषणा की कि भाजपा विधायक डॉ हब्बे टेरोन असम विधानसभा के उपाध्यक्ष पद के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार होंगे। सोशल मीडिया पर शर्मा ने कहा कि अमरी (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र से विधायक डॉ. टेरोन को संवैधानिक पद के लिए मनोनीत किया गया है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे विधायी प्रक्रिया में आदिवासी समुदायों की आवाज को मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री ने पोस्ट किया कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमरी (एसटी) हिल्स से माननीय विधायक डॉ. हब्बे टेरोन -शेष पृष्ठ दो पर

## जंग खत्म, तय तारीख से एक दिन पहले हुआ समझौता : दोनों प्रेसिडेंट ने किए दस्तखत

**पेरिस।** अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े एमओयू पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रंप वर्साय पैलेस से बाहर आए। इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि डील साइन हो गई है। ट्रंप के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया। इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए। व्हाइट हाउस और फॉक्स न्यूज ने अपने -शेष पृष्ठ दो पर

## मिजोरम से रास सांसद निर्वाचित हुए खियांगते लालतलुआंगकिमा

**एजल (हि.स.)।** मिजोरम की एकमात्र राज्यसभा सीट पर हुए चुनाव में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के उम्मीदवार खियांगते लालतलुआंगकिमा विजयी घोषित किए गए। गुरुवार को मिजोरम विधानसभा सचिवालय के एनेक्सी भवन स्थित कांफ्रेंस हॉल में मतदान संपन्न हुआ। चुनाव में विधानसभा के 40 सदस्यों में से 36 विधायकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

## मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और बजटीय प्रावधानों और योजनाओं के कार्यान्वयन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में वित्त विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, महामहिम डॉ. हिमंत विश्व ने आज वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ स्कूल, माध्यमिक, उच्च और तकनीकी शिक्षा पर शिक्षा विभाग के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। शर्मा ने शिक्षा के सभी क्षेत्रों में बजटीय प्रावधानों की भी समीक्षा की। उन्होंने *निजुत मोइना* और *निजुत बाबू* योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति, मुफ्त स्कूटर, साइकिल और पाठ्यपुस्तकों के वितरण और मुफ्त प्रवेश योजना -शेष पृष्ठ दो पर

doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

*उसी का कार्य सिध्द होता है, जो समय को विचार कर कार्य करता है।*

-अज्ञात

## मणिपुर में सेना ने उग्रवादी संगठन के ठिकानों को किया ध्वस्त

**इंफाल।** मणिपुर में भारतीय सेना और असम राइफल्स ने संयुक्त अभियान चलाकर उग्रवादी संगठन के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया, जबकि उसके कई साथी जंगलों का फायदा उठाकर फरार हो गए। सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के हेंगलेप उप-मंडल के दूरदराज इलाके में ऑपरेशन शुरू किया। खुफिया जानकारी मिली थी कि यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के उग्रवादी इलाके में सक्रिय हैं। कठिन पहाड़ी क्षेत्र और खराब मौसम के बावजूद सेना और असम राइफल्स की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। जब जवान -शेष पृष्ठ दो पर

## अंबुवासी मेले के दौरान व्यापक यातायात प्रतिबंध लागू

**गुवाहाटी (हि.स.)।** अंबुवासी मेला के दौरान श्रद्धालुओं, आम नागरिकों तथा आपातकालीन सेवाओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय के यातायात विभाग ने 22 जून से 26 जून तक व्यापक यातायात प्रतिबंध और विशेष यातायात प्रबंधन व्यवस्था लागू करने की घोषणा की है। यातायात पुलिस द्वारा आज जारी बयान के अनुसार, नीलाचल (कामाख्या पहाड़) के तल से मां कामाख्या मंदिर की ओर किसी भी निजी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन, जीवनरक्षक दवाइयां, ऑक्सीजन सिलेंडर तथा गुवाहाटी नगर निगम के कचरा वाहनों जैसी आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। आवश्यक वस्तुओं और पेयजल ले जाने वाले वाहनों को रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक मंदिर क्षेत्र में जाने की अनुमति रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा जारी विशेष पास वाले वाहनों तथा फेरी वाहनों को ही पांडु मंदिर घाट की ओर से बंशीबागान मार्ग होते हुए मंदिर तक जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर और आसपास ड्यूटी पर तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी सोनाराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मैदान में एकत्र होंगे, जहां से उन्हें प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए फेरी वाहनों से उनके कार्यस्थलों तक पहुंचाया जाएगा। जालुकबाड़ी और भरलुमुख की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग ड्रॉपिंग प्वाइंट निर्धारित किए गए हैं। श्रद्धालुओं को नीलाचल फ्लाईओवर के निकट उतारने के बाद वाहनों को आदाबाड़ी बस स्टैंड और बोरिपारा मैदान स्थित निर्धारित पार्किंग स्थलों की ओर भेजा जाएगा। सभी सिटी बसों -शेष पृष्ठ दो पर

## अंबुवासी मेले में आठ लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि गुवाहाटी के नीलाचल पर्वत स्थित मां कामाख्या धाम विश्वभर के श्रद्धालुओं के विशाल समागम के साथ इतिहास रचने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के अपने आधिकारिक हैंडल पर जारी एक संदेश में कहा कि अंबुवासी मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के -शेष पृष्ठ दो पर

## डेंगू-मलेरिया को लेकर केंद्र अलर्ट, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने तैयारियों की समीक्षा की

**नई दिल्ली (हि.स.)।** मानसून से पहले डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट मोड में है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर देशभर में तैयारियों का जायजा लिया और राज्यों तथा स्वास्थ्य संस्थानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों को पर्याप्त दवाइयों, जांच सुविधाओं और बेड्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बैठक में जेपी नड्डा ने निर्देश दिए कि डेंगू और मलेरिया की रोकथाम, जांच और उपचार से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। नड्डा ने कहा कि बीमारी की समय पर -शेष पृष्ठ दो पर

## *पेरिस के वीवाटेक 2026 से पीएम मोदी का संदेश*
## टेक्नोलॉजी से हर क्षेत्र में क्रांति ला रहा भारत

**पेरिस।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है और इसके स्टार्टअप कई नई पार्टनरशिप कर रहे हैं। वीवाटेक 2026 में बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि भारत स्पेस टेक्नोलॉजी से लेकर न्यूक्लियर एनर्जी तक इंसानी क्षमता के दायरे को बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे वीवाटेक के 10वें एडिशन के लिए पेरिस में आकर खुशी हो रही है। यह यूरोप का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट है। मैं वीवाटेक की सफलता के लिए प्रेसिडेंट मैक्रों और आयोजकों को बधाई देता हूं। 2026 भारत और यूरोप के लिए एक खास साल है। साल की शुरुआत में, हमने ऐतिहासिक भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा किया। यह एग्रीमेंट हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा। और यह टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि इस साल *भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर* की शुरुआत -शेष पृष्ठ दो पर

## शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों को वाई प्लस सुरक्षा

**मुंबई (हि.स.)।** महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्रालय ने गुरुवार को शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों को वाई प्लस सुरक्षा दिए जाने की घोषणा की है। साथ ही इन सभी सांसदों के घर पर 24 घंटे पुलिस रखने की भी व्यवस्था की गई है। हालांकि आज सूबे के कई जिलों में इन सभी छह सांसदों के खिलाफ शिवसेना यूबीटी के कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। शिवसेना यूबीटी की ओर से इन सभी छह सांसदों को कारण बताओ नोटिस -शेष पृष्ठ दो पर

## अपने सुरक्षा कर्मियों में फेरबदल से नाराज हुई ममता, नए पीएसओ को भेजा वापस

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में पूर्व सीएम ममता बनर्जी की सुरक्षा में पांच पीएसओ हमेशा तैनात रहते थे, कल देर रात एक प्रशासनिक आदेश के तहत उन पांचो पीएसओ को उनके यूनिट में वापस भेज दिया गया और उनकी जगह 4 दूसरे पीएसओ ममता बनर्जी की सुरक्षा के लिए भेजे गए थे। इन नए पीएसओ को ममता ने लेने से इनकार कर दिया। कुसुम द्विवेदी और स्वरूप गोस्वामी नाम के दो पीएसओ ममता बनर्जी के बेहद खास माने जाते रहे हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने सीएम शुभेंदु अधिकारी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पूर्व सीएम ममता बनर्जी के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स (पीएसओ) को अचानक से हटा दिया। टीएमसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि राजनीतिक बदले की भावना का एक चौंकाने वाला और निचला स्तर। आखिर आप क्या साजिश रच रहे हैं शुभेंदु? टीएमसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में आगे लिखा कि ममता बनर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

## विकास और संस्कृति का संतुलन ही सशक्त व समृद्ध समाज की आधारशिला : राष्ट्रपति

**बैतूल (हि.स.)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आध्यात्मिक जागृति व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति का अनुभव कराती है तथा सकारात्मक सोच को जीवन के उच्च आदर्शों से जोड़ती है। विकास और संस्कृति का संतुलन ही किसी भी सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला होता है। शाश्वत विकास वही है, जो हमारी जड़ों को मजबूत बनाते हुए भविष्य की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करे। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को मध्य प्रदेश के बैतूल में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तीकरण* महासम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि समाज का सशक्तीकरण केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं होना चाहिए। वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है जब व्यक्ति में आत्म विश्वास, आत्म सम्मान, जागरूकता और दायित्व बोध का विकास हो। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज आत्म सम्मान के साथ जीवन जीने वाला समाज है और उसकी यही विशेषता उसे विशिष्ट बनाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है, जब देश का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ जाए। हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत सुरक्षित और अक्षुण्ण रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रकार के सम्मेलन जनजातीय समाज के आध्यात्मिक उत्थान, सामाजिक जागरूकता और समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा -शेष पृष्ठ दो पर

## पीओजेके में पाकिस्तान के खिलाफ बगावत, रावलकोट में कर्फ्यू जैसे हालात

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (जेकेजेएएसी) ने दावा किया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) का रावलकोट शहर पिछले 11 दिनों से *कर्फ्यू जैसे हालात* में है, जबकि पूरे पीओजेके में लगातार 10 दिनों से शटडाउन और चक्का-जाम हड़ताल चल रही है। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में जेकेजेएएसी ने बताया कि रावलकोट के चारों ओर प्रदर्शनकारियों के शांतिपूर्ण धरने जारी हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में बढ़ती पाबंदियों और रुकावटों के बावजूद स्थानीय लोग इस आंदोलन की मांगों का समर्थन कर रहे हैं। ग्रुप ने आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने नीलम घाटी से काफिले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

# जैन धर्म की शिक्षाएं, शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग दिखाती हैं : ओम बिरला

**रायपुर ( हि.स. )।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जैन मुनि और संत, जैन दर्शन के सिद्धांतों और मूल्यों के माध्यम से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में सामाजिक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। आचार्य विनय कुशल महाराज के भव्य आचार्य पदारोहण समारोह में गुरुवार को अपने विचार व्यक्त करते हुए, मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने वर्तमान समय की चुनौतियों का समाधान करने में जैन दर्शन की शिक्षाओं को बहुत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय, जबकि समाज तनाव, चिंता, संघर्ष और नैतिक मूल्यों के पतन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। जैन धर्म की शिक्षाएं शांति, आत्म-संयम और नैतिक जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग दिखाती हैं। लोस अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे आचार्य विनयकुशल मुनि महाराज को नमन किया। उन्होंने जैन दर्शन के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्ची खुशी केवल भौतिक संपदा से प्राप्त नहीं की जा सकती। बल्कि, आत्म-संयम, अपने मन पर नियंत्रण, विचारों की पवित्रता और नैतिक मूल्यों के पालन से ही स्थायी संतुष्टि प्राप्त होती है। इस संदर्भ में उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अहिंसा, करुणा और संयम संबंधी भगवान महावीर की शिक्षाएं, आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि सभी जीवों के प्रति अहिंसा, करुणा और दया का व्यवहार करके ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जैन संतों ने सत्य, सहानुभूति और आध्यात्मिक जागरूकता जैसे मूल्यों आधारित नैतिक समाज के निर्माण के लिए, अपना जीवन समर्पित कर दिया। बिरला ने उन संतों के प्रेरक उदाहरण पर प्रकाश डाला जो अपने अंतर्मन को दृढ़ बनाने और समाज का मार्गदर्शन करने के लिए, दीर्घ उपवास एवं कठोर आध्यात्मिक साधना करते हैं। गहन आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से एक युवा बाल मुनि द्वारा सिद्धि प्राप्त करने की उल्लेखनीय उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां इस बात को दर्शाती हैं कि कम आयु में भी एकाग्रता, ज्ञान और तपस्या के माध्यम से अपने जीवन को पूरी तरह से बदला जा सकता है। उन्होंने लोगों से सत्य, नैतिकता, आत्म-अनुशासन और करुणा के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने दोहराया कि जैन संतों की शिक्षाएं और भगवान महावीर का दर्शन शांतिपूर्ण, नैतिक और प्रबुद्ध समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा के प्रभावशाली स्रोत बनी हुई हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं, बल्कि तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं।

## चंबा में खाई में गिरी बोलेरो, सात लोगों की मौत

**शिमला ( हि.स. )।** हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक सड़क हादसे में एक ही गांव के सात लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन सगे भाई व दम्पति शामिल है। मृतकों में चार पुरुष व तीन महिलाएं हैं। हादसा बुधवार देर रात चुराह विधानसभा क्षेत्र के पुखरी-मसरूंड मार्ग पर माणी जीरो के पास हुआ, जहां एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में चुन्नी लाल (65), देवी लाल (62), बबली देवी पत्नी मोती राम (45), मोती राम (50), अनीता कुमारी (20), कुंता देवी (53), मनोहर लाल (34) शामिल हैं। इसमें चुन्नी लाल, देवी लाल और मोती राम सगे भाई हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब पंचायत कुठेड़ के महल गांव के निवासी एक मुंडन संस्कार समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। परिवार और गांव के लोग काकड़ोधा गांव में आयोजित धाम में शामिल हुए थे और देर रात समारोह से लौटते समय यह दुर्घटना हो गई। हादसे के बाद पूरे महल गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सात लोगों की एक साथ मौत से इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस के अनुसार, हादसा रात करीब दो बजे के आसपास हुआ। बोलेरो अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। अंधेरे और खड़ी ढलान के कारण बचाव अभियान काफी कठिन रहा। बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर सभी शवों को खाई से बाहर निकाला। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में सात लोगों की मौत हुई है। इनमें अधिकतर एक ही परिवार के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि सभी मृतक पंचायत कुठेड़ के महल गांव के रहने वाले थे। पुलिस को हादसे की सूचना आज तड़के मिली। इसके बाद राहत कार्य शुरू किया गया। हादसे के बाद सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज चंबा भेज दिया गया है।

## असम में 14.5 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त, सात तस्कर गिरफ्तार

**असम ( हिंस )।** असम में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। श्रीभूमि और नगांव जिलों में चलाए गए समन्वित अभियानों में लगभग 14.5 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। इस कार्रवाई के दौरान सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस की टीमों ने कई स्थानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीभूमि पुलिस और नगांव पुलिस द्वारा संचालित सफल अभियानों में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप पकड़ी गई है। उन्होंने इसे राज्य में नशे के कारोबार के खिलाफ चल रही लड़ाई का महत्वपूर्ण चरण बताया। उन्होंने दोहराया कि मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त नेटवर्कों को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए सरकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार के विरुद्ध राज्य सरकार की नीति सख्त, स्पष्ट और अडिग है तथा इस दिशा में अभियान और तेज किया जाएगा।

## भीषण गर्मी से बचने के लिए दुकान की छत पर चढ़ा विशाल गोह

**गुवाहाटी ( हिंस )।** भीषण गर्मी से राहत पाने और सुरक्षित आश्रय की तलाश में एक विशाल गोह (मॉनिटर लिजार्ड) एक दुकान की टिन की छत पर चढ़ गया। इस घटना को लेकर गुरुवार को गुवाहाटी के सुंदरबाड़ी क्षेत्र में काफी हलचल और कौतूहल का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने अचानक दुकान की छत पर इस विशालकाय सरीसृप को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, लगातार पड़ रही भीषण गर्मी से न केवल इंसान बल्कि वन्यजीव भी परेशान हैं। ऐसे में भोजन और सुरक्षित आश्रय की तलाश में कई जंगली जीव आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी क्रम में सुंदरबाड़ी स्थित एक दुकान की टिन की छत पर एक विशाल गोह दिखाई दिया। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गोह को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उसका सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। इसके बाद उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की व्यवस्था की गई। इस घटना को लेकर सुंदरबाड़ी क्षेत्र में काफी देर तक चर्चा और उत्सुकता का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों के बीच इस दुर्लभ दृश्य को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं।

## हरि मंदिर और हिंदू परिवार के आंगन में गोमांस फेंकने वाले को पुलिस ने खदेड़कर पकड़ा

**धुबड़ी ( हिंस )।** धुबड़ी जिले के गोलकगंज क्षेत्र अंतर्गत छागलिया में हरि मंदिर परिसर तथा एक हिंदू परिवार के घर के आंगन में कथित रूप से गोमांस फेंके जाने की घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आमिर अली नामक व्यक्ति पर हरि मंदिर और एक हिंदू व्यक्ति के घर के आंगन में गोमांस फेंकने का आरोप है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को खदेड़कर पकड़ लिया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की तथा आश्वासन दिया कि मामले में कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना के पीछे की मंशा और अन्य संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का आग्रह किया है। मामले की जांच जारी है। उधर गुरुवार सुबह बरगांग पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 59 मवेशियों से भरे एक कंटेनर वाहन को जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 6 बजे बरगांग पुलिस चौकी के अंतर्गत सेंटर क्षेत्र के समीप पुलिस द्वारा नाका जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एएस-26एसी-0884 नंबर के 10 पहिया कंटेनर वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के भीतर 59 मवेशी अत्यंत अमानवीय और कष्टदायक परिस्थितियों में ठूंसकर ले जाए जाते पाए गए। पूछताछ में चालक ने स्वीकार किया कि मवेशियों को गोगामुख से नगांव की ओर अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।

**EXAMININATION NOTICE**

**GAUHATI HIGH COURT AT GUWAHATI**
***(High Court of Assam, Nagaland, Mizoram and Arunachal Pradesh)***

It is hereby notified that the written examination in connection with the temporary engagement of 3 Law Clerks in the Principal Seat of the Gauhati High Court is scheduled to be held on 19-07-2026 (Sunday) from 10:00 am to 12:00 Noon. All other information and necessary details can be seen in the relevant notification dated 18-06-2026, available on the official website of the Gauhati High Court (https://ghconline.gov.in/).

Sd/-
Registrar (Administration),
Gauhati High Court, Guwahati.

**-- DIPR /D/VBS-32/ 19-Jun-26**

# पृष्ठ एक का शेष

### असम विस उपाध्यक्ष ...

असम विधानसभा के उपाध्यक्ष पद के लिए हमारे उम्मीदवार होंगे। शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. टेरोन प्रशिक्षण से एक चिकित्सा पेशेवर हैं और नवगठित अमरी विधानसभा क्षेत्र से चुने गए पहले प्रतिनिधि हैं। प्रशिक्षण से एक चिकित्सा पेशेवर और नवगठित अमरी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए पहले प्रतिनिधि, डॉ. टेरोन हमारे आदिवासी समुदायों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और विधायी प्रक्रिया में कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ की आवाज को और मजबूत करेंगे, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने आगामी स्पीकर पद के चुनाव के लिए विधायक को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। डॉ. टेरोन की उम्मीदवारी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वे आदिवासी बहुल पहाड़ी क्षेत्र से आते हैं और नवगठित अमरी (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। विधानसभा में उपाध्यक्ष का पद एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है, जो विधायी कामकाज के संचालन में अध्यक्ष की सहायता करता है और अध्यक्ष की अनुपस्थिति में सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करता है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन को आरामदायक बहुमत प्राप्त होने के कारण, डॉ. टेरोन का इस पद पर चुनाव होना एक औपचारिकता मात्र होने की उम्मीद है।

### जंग खत्म, तय तारीख ...

एक्स हैंडल पर सबसे पहले इसकी पुष्टि की। इसके बाद यह खबर दुनिया में आग की तरह फैल गई। ईरान के प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने, प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत और 60 दिन के भीतर अंतिम समझौते की दिशा में कदम शामिल हैं। बताया जाता है कि ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति ने पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के दौरान इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गया है। अमेरिका ने इस दस्तावेज को संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामी गणराज्य ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन के रूप में जारी किया है। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना, ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार से जुड़े मुद्दों का समाधान करना और प्रतिबंधों में चरणबद्ध राहत देने के लिए एक ढांचा तैयार करना है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने पुष्टि की कि समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देकर दोनों पक्षों ने उस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस विषय पर ओमान और अन्य देशों के साथ काफी समय से परामर्श चल रहा था। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन से जुड़े अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन चुकी थी। बघाई ने कहा कि अब समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य पर इस्लामी गणराज्य ईरान की संप्रभुता और अधिकार सुरक्षित रहेंगे। **मसौदे के 14 बिंदु : सभी तरह के संघर्ष रुकेंगे :** अमेरिका, ईरान और उनके सहयोगी देशों ने तत्काल प्रभाव से सभी सैन्य अभियानों को समाप्त करने और भविष्य में एक-दूसरे के खिलाफ युद्ध या सैन्य कार्रवाई शुरू नहीं करने का संकल्प लिया है। इसमें लेबनान से जुड़े संघर्ष भी शामिल हैं। लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाएगा। **एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान :** दोनों देश एक-दूसरे की स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति अपनाएंगे। 60 दिनों में अंतिम समझौते का लक्ष्य। **अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटेगी :** इसमें शर्त है कि एमओयू पर हस्ताक्षर होते ही अमेरिका ईरान के खिलाफ लागू नौसैनिक नाकाबंदी और अन्य बाधाओं को हटाने की प्रक्रिया शुरू करेगा। 30 दिन के भीतर इसे पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। **होर्मुज जलडमरूमध्य :** ईरान 60 दिन तक फारस की खाड़ी और ओमान सागर के बीच वाणिज्यिक जहाजों को मुफ्त और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराएगा। तकनीकी और सैन्य बाधाओं को हटाने तथा समुद्री बारूदी सुरंगों की सफाई के बाद 30 दिन में यातायात सामान्य स्तर पर पहुंचाने की योजना है। ईरान के लिए 300 अरब डॉलर की आर्थिक योजना। प्रतिबंध हटाने का रोडमैप तैयार किया जाएगा। ईरान ने दोहराया है कि वह परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा। दोनों देश संवर्धित परमाणु सामग्री के निपटारे, यूरेनियम संवर्धन और अन्य परमाणु जरूरतों पर अंतिम समझौते के तहत विस्तृत चर्चा करेंगे। वार्ता के दौरान यथास्थिति बनी रहेगी। **तेल निर्यात को तत्काल राहत :** एमओयू लागू होते ही अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उनसे जुड़ी बैंकिंग, बीमा तथा परिवहन सेवाओं के लिए विशेष छूट जारी करेगा। अमेरिका ईरान की फ्रीज या प्रतिबंधित संपत्तियों और धनराशि को उपयोग के लिए उपलब्ध कराने पर सहमत। **निगरानी तंत्र :** समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष कार्यकारी तंत्र स्थापित किया जाएगा। अंतिम समझौते पर औपचारिक वार्ता शुरू होगी। अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बाध्यकारी प्रस्ताव के जरिए वैधता प्रदान की जाएगी।

### मिजोरम से रास सांसद ...

मतगणना की प्रक्रिया पूरी की गई। मिजोरम विधानसभा के आयुक्त एवं सचिव तथा निर्वाचन अधिकारी जोथानसांगा राल्ते ने परिणाम की घोषणा करते हुए खियांगते लालतलुआंगकिमा को राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किया। इस जीत के साथ सत्तारूढ़ जेडपीएम ने राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट पर अपना दावा मजबूत करते हुए संसद के उच्च सदन में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है।

### मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग ...

की प्रगति पर चर्चा की। शर्मा ने सरकारी मॉडल कॉलेजों और चाय बागान मॉडल स्कूलों में चल रही योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में विभिन्न श्रेणियों में शिक्षकों की भर्ती अभियान, उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट कम करने की रणनीतियां, नए पदों का सृजन और हाई स्कूलों को उच्च माध्यमिक स्तर तक उन्नत करने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे चल रही पहलों का समय पर क्रियान्वयन और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।

### मणिपुर में सेना ने उग्रवादी ...

उग्रवादियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ में एक उग्रवादी ढेर हो गया, जबकि अन्य उग्रवादी मौके से भाग निकले। इसके बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान चलाया और उग्रवादियों द्वारा बनाए गए मजबूत बंकरों और ठिकानों को नष्ट कर दिया। अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री भी बरामद की गई। सुरक्षा बलों ने कहा कि इस कार्रवाई से उग्रवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और क्षेत्र में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के सदस्यों की गतिविधियों के बारे में सटीक खुफिया जानकारी मिलने पर, यह ऑपरेशन मुश्किल इलाकों और खराब मौसम के बावजूद चलाया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सैनिक उनके ठिकाने के पास पहुंचे, तो दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। इस जबरदस्त गोलीबारी में एक उग्रवादी मारा गया, जबकि बाकी उग्रवादी भागने में सफल रहे। इसके बाद चलाए गए तलाशी अभियान में मजबूत बंकरों को नष्ट कर दिया गया और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध से जुड़ी सामग्री बरामद की गई। उग्रवादियों के बुनियादी ढांचे को नष्ट करके, सुरक्षा बलों ने शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के अपने संकल्प को और मजबूत किया है।

### अंबुवासी मेले के दौरान...

और सार्वजनिक परिवहन वाहनों को नीलाचल फ्लाईओवर का उपयोग करना होगा तथा सेवा लेन से बचना होगा। श्रद्धालुओं के दोपहिया, हल्के और भारी वाहनों की पार्किंग के लिए आदाबाड़ी बस स्टैंड, बोरिपारा मैदान, आईटीए माछखोवा, एएसटीसी पार्किंग माछखोवा तथा ईदगाह मैदान माछखोवा को अधिकृत पार्किंग स्थल बनाया गया है। मेला अवधि के दौरान सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक डीजी रोड, एमजी रोड, एटी रोड, पांडु पोर्ट रोड तथा बोरझार रोड पर तीन पहिया और उससे बड़े मालवाहक वाहनों तथा धीमी गति वाले वाणिज्यिक वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा एएसटीसी सहित अंतर-जिला और लंबी दूरी की बसों को डीजी रोड, एमजी रोड और एटी रोड पर चलने की अनुमति नहीं होगी। यातायात विभाग ने एनएच-27 से तेतेलिया मार्ग होते हुए गौशाला की ओर भारी वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। साथ ही, लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जाने वाले यात्रियों को यात्रा की पूर्व योजना बनाने और यथासंभव एनएच-27 मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। नीलाचल फ्लाईओवर के नीचे पूरे क्षेत्र को आरक्षित पार्किंग जोन घोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त पांडु पोर्ट रोड, बोरझार रोड, भरलुमुख एलिवेटेड कॉरिडोर, डीजी रोड तथा नीलाचल फ्लाईओवर सहित कई महत्वपूर्ण मार्गों पर सड़क किनारे पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी, ताकि अंबुवासी मेले के दौरान यातायात सुचारु बना रहे और आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध आवागमन मिल सके।

### अंबुवासी मेले में आठ ...

स्वागत के लिए उन्नत आधारभूत संरचना और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मेले में आठ लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की यह बढ़ी संख्या असम की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव को नई ऊंचाई प्रदान करेगी। अंबुवासी मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। डॉ. शर्मा ने असमवासियों की ओर से मां कामाख्या के सभी भक्तों का हार्दिक स्वागत करते हुए उन्हें इस पावन आध्यात्मिक आयोजन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया।

### टेक्नोलॉजी से हर क्षेत्र...

के साथ, फ्रांस एक अहम कड़ी का काम कर रहा है जो भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का मानना है कि बदलाव के इस दौर में टेक्नोलॉजी का फायदा सभी को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम फाइनेंशियल इन्क्लूजन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ दिन पहले नीस में हुए *भारत इनोवेट्स* से लेकर आज पेरिस में हो रहे विवा टेक तक, हमारे स्टार्टअप कई नई साझेदारियां कर रहे हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी से लेकर न्यूक्लियर एनर्जी तक, हम इंसानी क्षमता का दायरा बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक में भारत तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव की वजह टेक्नोलॉजी है। उन्होंने कहा कि फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल आइडेंटिटी सिस्टम बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म बनाने तक... फाइनेंशियल इन्क्लूजन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। हमारे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की वजह से आज दुनिया के आधे रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। हमारे पास ऐसी कई वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पब्लिक गुड्स (जन-सुविधाएं) के उदाहरण हैं। डिजिलॉकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल डॉक्यूमेंट वॉलेट में से एक है।

### शिवसेना यूबीटी के ...

भी जारी किया गया है। शिवसेना यूबीटी की ओर से आज दिल्ली में सभी नौ सांसदों की मीटिंग बुलाई गई थी, लेकिन इनमें से सिर्फ तीन सांसद उपस्थित थे। इसके बाद इन सभी छह बागी सांसदों को पार्टी की ओर से सात दिन का समय देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हालांकि शिवसेना शिंदे समूह के एमएलसी चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया है कि शिवसेना यूबीटी के सभी छह बागी सांसद उनकी पार्टी में शामिल हो गए हैं। दिल्ली में सांसदों की मीटिंग के बाद शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य और प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता बागी सांसदों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद परभणी, वाशिम, बीड में शिवसेना यूबीटी के कार्यकर्ता आक्रामक हो गए। सोनपेठ में शिवसेना यूबीटी के कार्यकर्ताओं ने बागी सांसद संजय जाधव की मूर्ति को चप्पलों की माला पहनाकर विरोध किया। साथ ही उनकी मूर्ति का एक सिंबॉलिक अंतिम संस्कार जुलूस निकाला गया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर मूर्ति को जला दिया गया। बीड में भी ठाकरे ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने छह बागी सांसदों के सिंबॉलिक पुतले जलाकर अपना गुस्सा दिखाया। वाशिम में यवतमाल-वाशिम लोकसभा सीट के सांसद संजय देशमुख के पुतले पर कालिख पोतकर और उसे जूतों से पीटकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस बीच जोरदार विरोध को देखते हुए राज्य खुफिया विभाग ने अब इन 6 बागी सांसदों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा फैसला लिया है और सभी 6 बागी सांसदों के लिए तुरंत वाई-प्लस सिक्योरिटी लागू कर दी गई है। यह भी निर्देश दिया गया है कि पुलिस उनके घरों के बाहर और 24 घंटे उनके साथ मौजूद रहेगी। बागी सांसदों की इस बगावत के बाद राज्य में राजनीति और गरमाने के संकेत मिल रहे हैं।

### अपने सुरक्षा कर्मियों ...

की सुरक्षा में लंबे समय से तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाना कोई प्रशासनिक कदम नहीं है, बल्कि यह उन्हें अलग-थलग करने और खतरे में डालने की एक सोची-समझी चाल है। बदले की राजनीति का आपका जुनून और असुरक्षा की भावना से प्रेरित होकर सत्ता का गलत इस्तेमाल यह साफ दिखाता है कि आप असल में कौन हैं। अगर *छोटी राजनीति* का कोई चेहरा होता, तो वह निस्संदेह आपके जैसा ही दिखता। ममता बनर्जी को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद हाल ही में उनके आवास और आसपास तैनात राज्य पुलिस के अतिरिक्त सुरक्षा बल तथा बैरिकेडिंग को हटा लिया गया है। लेकिन केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई उनकी जेड प्लस सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जेड प्लस में ममता के पास 38 गार्ड्स मौजूद रहते हैं। पूर्व सीएम होने के नाते उन्हें जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद ही उनके घर के पास भारी संख्या में राज्य पुलिस की तैनाती और बैरिकेड्स हटा दिए गए थे। सूत्रों के मुताबिक, राज्य पुलिस ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत उनके दो पीएसओ को बदला है, नए पीएसओ को ममता ने वापस कर दिया है। हर पूर्व सीएम को सुरक्षा प्रोटोकॉल अलग-अलग होता है, परिस्थितियों और थ्रेट परसेप्शन के आधार पर बदलाव होता रहता है।

### विकास और संस्कृति का...

जनजातीय कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में इस बीमारी की संभावना अधिक पायी जाती है और इसके उन्मूलन के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से जनजातीय समाज का स्वास्थ्य स्तर और बेहतर होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि मध्य प्रदेश का बैतूल जिला अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। यहां के जनजातीय समुदायों ने अपनी परंपराओं, लोकज्ञान और सांस्कृतिक मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखा है। सामूहिकता, सहयोग, सरलता, ईमानदारी और आध्यात्मिकता जैसे उच्च जीवन मूल्यों का जीवंत स्वरूप बैतूल की जनजातीय संस्कृति में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के सशक्तीकरण के लक्ष्य पर केंद्रित इस महासम्मेलन में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह आयोजन केवल बैतूल या मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश और समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महासम्मेलन में तैयार होने वाली कार्य योजनाएं जनजातीय समाज को राष्ट्र की प्रगति का सशक्त भागीदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान ने मातृशक्ति को केंद्र में रखकर अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है। संस्थान की आंतरिक शुचिता, मानवीय गरिमा, सेवा भावना तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी दुनिया में आंतरिक शुचिता और आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। इन्हीं मूल्यों के आधार पर समाज में समतापरक आचरण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की भावना विकसित होती है। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव, संघर्ष और युद्ध जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहा है, तब ऐसे आयोजनों की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय की जीवन शैली स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक मूल्यों और प्रकृति के निकट रही है। जनजातीय समाज, जिसे आदिवासी समाज भी कहा जाता है, सृष्टि के आरंभ से ही धरती के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन व्यतीत करता आया है। यह समाज सुख, शांति, आनंद और प्रेम के साथ जीवन बिताना जानता है तथा हिंसा से दूर रहता है। जनजातीय समाज प्रकृति ही नहीं, बल्कि पंचतत्वों—धरती, आकाश, वायु, जल, सूर्य और चंद्रमा को पूजनीय मानता है। इनके लिए किसी विशेष मंदिर या पूजा स्थल की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि पूरी प्रकृति ही उनके लिए आराधना का केंद्र है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि धरती, जल और वायु के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जनजातीय समाज प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसका संरक्षण करता है।

### पीओजेके में पाकिस्तान के ...

में आ रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और इस कार्रवाई के बावजूद धरना-प्रदर्शन जारी रहा। समिति के अनुसार, अधिकारियों ने सोनू इलाके के पास भी पाबंदियां लगा दीं, जहां पंजाब पुलिस ने कथित तौर पर रात में नाकेबंदी की थी। प्रदर्शन के आयोजकों का दावा है कि यात्रियों को इस इलाके में दवाएं, खाने-पीने का सामान और अन्य जरूरी चीजें ले जाने से रोका गया। समूह द्वारा उद्धृत रिपोर्टों से पता चलता है कि कई वाहनों को रोका गया और उन्हें राहत सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। चल रही हड़ताल के कारण बाजार बंद हैं, सड़कें अवरुद्ध हैं और क्षेत्र के कई हिस्सों में जन आवागमन बुरी तरह प्रतिबंधित है। इन परिस्थितियों के बावजूद, जेकेजेएएसी ने जोर देकर कहा कि जनता का मनोबल मजबूत बना हुआ है और विरोध आंदोलन के लिए समर्थन कम नहीं हुआ है। जेकेजेएएसी ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर गिरफ्तारी, दबाव बनाने की रणनीति और सुरक्षा उपायों के माध्यम से जनता की मांगों को दबाने का आरोप लगाया। उसने कहा कि आंदोलन तब तक शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहेगा जब तक कि लोगों के बुनियादी अधिकार सुरक्षित नहीं हो जाते।

### डेंगू-मलेरिया को लेकर...

पहचान और त्वरित इलाज से गंभीर मामलों को रोका जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने राज्यों को निगरानी तंत्र मजबूत करने और संभावित प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा। बैठक में मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए उन्होंने जनजागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, साफ-सफाई बनाए रखें और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था को पूरी तरह तैयार रखा जाएगा और राज्यों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा जाएगा।

# मणिपुर : सुरक्षा बलों ने संवेदनशील जिलों में बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किए

**इंफाल।** सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई संवेदनशील जिलों में अभियान तेज कर दिए हैं और कांगपोकपी, चुराचंदपुर और थौबल जिलों के संवेदनशील इलाकों में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान, तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व गश्त चला रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस समन्वित अभ्यास में कई सुरक्षा एजेंसियां शामिल हैं और इसका उद्देश्य राज्य के कुछ हिस्सों में जारी तनाव के बीच हिंसा के नए प्रकोप को रोकना है। आवागमन को नियंत्रित करने और निगरानी को मजबूत करने के लिए प्रमुख मार्गों पर चेकपॉइंट और नाके स्थापित किए गए हैं। हाल ही में समुदायों के बीच हुई हिंसा और सशस्त्र झड़पों की घटनाओं के बाद सैन्य तैनाती को बढ़ाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह उन क्षेत्रों में चल रहे अभियानों की सीधे निगरानी कर रहे हैं, जहां हाल के हफ्तों में सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि देखी गई है। अधिकारियों ने कहा कि कड़े उपायों का उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना, निवासियों को आश्वस्त करना और कानून-व्यवस्था की स्थिति में किसी भी तरह की और गिरावट को रोकना है। इसी बीच, इंफाल स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) में एक अलग घटनाक्रम ने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया है। अस्पताल में इलाज करा रहे तीन कुकी रोगियों को मंगलवार देर रात विभिन्न नागरिक समाज संगठनों के विरोध प्रदर्शन और दबाव के बाद दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया। राज्य सरकार ने इससे पहले प्रदर्शनकारी प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया था कि मरीजों को चिकित्सा सुविधा से स्थानांतरित कर दिया जाएगा। अस्पताल परिसर के आसपास प्रदर्शन जारी रहे, जिसमें प्रदर्शनकारी मरीजों के बारे में जानकारी की मांग कर रहे थे और उनके कथित संबंधों पर सवाल उठा रहे थे। जैसे-जैसे तनाव बढ़ता गया, सुरक्षाकर्मियों ने अस्पताल के पास जमा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इसी बीच, चुराचंदपुर जिले के हेंगलेप उपमंडल में 16 जून को चलाए गए एक सुरक्षा अभियान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सुरक्षा बलों का कहना है कि मुठभेड़ के दौरान एक सशस्त्र आतंकवादी मारा गया, जबकि स्थानीय विधायक लेत्जामांग हाओकिप ने इस दावे को चुनौती देते हुए कहा है कि मृतक एक निहत्था नागरिक था और उन्होंने स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) ने बुधवार को असम राइफल्स द्वारा दी गई जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि असम राइफल्स और सेना की एक संयुक्त टीम मोलफेई और सोंगकोंग गांवों के बीच के क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शामिल हो गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, गोलीबारी के दौरान एक संदिग्ध आतंकवादी मारा गया। सुरक्षाकर्मियों ने घटनास्थल से एक एके-47 राइफल, गोला-बारूद, मैगजीन, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस ने बताया कि आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। हालांकि, हाओकिप ने सुरक्षा बलों के बयान का पुरजोर खंडन किया। एक बयान में, उन्होंने मृतक की पहचान उत्तरी सोंगकोंग गांव के लेनखोगिन हाओकिप के पुत्र लेनमिनसांग के रूप में की और आरोप लगाया कि वह एक नागरिक था। इस घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए विधायक ने कहा कि इस मौत ने जवाबदेही और सुरक्षा अभियानों में जनता के विश्वास को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। उन्होंने स्थानीय निवासियों द्वारा किए गए दावों का भी उल्लेख किया कि पीड़ित को गोली लगने के बाद उसके कपड़े उतार दिए गए थे और शव को संयुक्त सुरक्षा दल द्वारा ले जाया गया था। हाओकिप ने उन आरोपों का भी हवाला दिया जिनमें कहा गया था कि बाद में इस मौत को मुठभेड़ में मारे गए एक आतंकवादी की मौत के रूप में चित्रित करने के प्रयास किए गए थे। उन्होंने तर्क दिया कि यदि आरोप सिद्ध हो जाते हैं, तो वे सत्ता का गंभीर दुरुपयोग और कानूनी मानदंडों का उल्लंघन होंगे। विधायक ने मौत से जुड़े हालातों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पीड़ित का शव अभी तक परिवार को नहीं सौंपा गया है। उन्होंने शवों की तत्काल बरामदगी और उन्हें सौंपने, घटना की न्यायिक जांच कराने और तथ्यों को दबाने या घटनाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आह्वान किया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विरोधाभासी बयानों ने 16 जून के ऑपरेशन के दौरान जो कुछ हुआ उसकी स्वतंत्र जांच की मांग को और बल दिया है।

## नवगठित कार्बी वेलफेयर ऑटोनॉमस काउंसिल के सदस्यों ने ली शपथ

**कार्बी आंग्लांग।** नवगठित कार्बी कल्याण स्वायत्त परिषद के सदस्यों के लिए शपथ ग्रहण समारोह आज असम सरकार के जनजातीय मामलों (पी), शिक्षा आदि विभाग के माननीय मंत्री डॉ. रनोज पेगु की उपस्थिति में बनिकंता काकोटी ऑडिटोरियम, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, पंजाबी, गुवाहाटी में आयोजित किया गया। शपथ असम सरकार के जनजातीय मामलों के विभाग की सचिव श्रीमती द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में असम के जनजातीय मामलों के विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुषमा हजारिका, श्रीमती एल. स्वीटी चांगसन और असम सरकार के जनजातीय मामलों के विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती बिनीता पेगु और जनजातीय मामलों के निदेशक (पी), श्री उदयादित्य गोगोई की उपस्थिति में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई गई।

## कामाख्या स्टेशन पर आग एवं आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल

**गुवाहाटी (हिंस)।** गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर स्थित कामाख्या मंदिर में आयोजित होनेवाले अंबुबासी मेले के मद्देनजर यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कामाख्या रेलवे स्टेशन पर आग एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने हेतु एक विशेष संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपात स्थिति में विभिन्न एजेंसियों की तैयारी, समन्वय तथा त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना था। कामाख्या रेलवे स्टेशन के अधिकारी ने आज बताया कि मॉक ड्रिल बुधवार को आयोजित किया गया था। अधिकारी ने बताया कि रेलवे प्रशासन की पहल पर आयोजित इस मॉक ड्रिल में रेलवे कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी), पांडु फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज तथा मालीगांव सेंट्रल अस्पताल के चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने भाग लिया। यह अभ्यास कामाख्या स्टेशन परिसर में आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान स्टेशन पर आग लगने की एक काल्पनिक स्थिति उत्पन्न कर बचाव एवं नियंत्रण कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही भीड़भाड़ के कारण भगदड़ में घायल हुए लोगों को किस प्रकार शीघ्रता और सुरक्षित तरीके से निकालकर उपचार केंद्र तक पहुंचाया जा सकता है, इसका भी व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। संबंधित विभागों और कर्मियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई की विभिन्न रणनीतियों का प्रदर्शन किया। सफलतापूर्वक संपन्न हुई इस संयुक्त मॉक ड्रिल के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं और अवलोकनों को दर्ज किया गया।

## तीस से कम विद्यार्थियों वाले प्राथमिक विद्यालय बंद नहीं होंगे : शिक्षा मंत्री

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रणोज पेगू ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि राज्य में 30 से कम विद्यार्थियों वाले प्राथमिक विद्यालयों को बंद नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्री आज एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी प्राथमिक विद्यालयों को बंद किए जाने संबंधी भ्रामक और झूठी खबरें प्रसारित की जा रही हैं, जिससे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है। सरकार ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। डॉ. पेगू ने कहा कि 30 से कम नामांकन वाले सभी प्राथमिक

विद्यालयों के बंद होने की खबर पूरी तरह निराधार है। उन्होंने अभिभावकों, विद्यार्थियों और आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा शिक्षा विभाग से जुड़ी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक घोषणाओं पर भरोसा करने की अपील की।

## राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून को कोकराझाड़ में तैयारियों की समीक्षा हर पात्र बच्चे तक पहुंचने पर जोर

**कोकराझाड़ (हिंस)।** आगामी राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस (एनआईडी) को सफलतापूर्वक आयोजित करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला आयुक्त कार्यालय, कोकराझाड़ के सम्मेलन कक्ष में जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की दूसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने की, जिसमें अभियान की अंतिम माइक्रो प्लानिंग एवं तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में 28 जून को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान की रणनीति एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अभियान के तहत जिले के पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। जिला माइक्रो प्लान के अनुसार अभियान का संचालन बालाजन बीपीएचसी, डोटमा बीपीएचसी, काचुगांव बीपीएचसी, गोसाईगांव बीपीएचसी, गोसाईगांव शहरी क्षेत्र तथा कोकराझाड़ शहरी क्षेत्र में किया जाएगा। जिले की अनुमानित जनसंख्या 10,17,183 है, जिसमें 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 1,21,269 बच्चों तथा करीब 1,91,921 परिवारों को अभियान के दायरे में लाया जाएगा। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए 331 एएनएम एवं एमपीएचडब्ल्यू टीकाकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जबकि विभिन्न स्तरों पर 2,560 से अधिक कर्मी अपनी सेवाएं देंगे। जिले भर में कुल 667 टीकाकरण बूथ स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा ट्रांजिट टीमों एवं घर-घर जाकर टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि कोई भी पात्र बच्चा अभियान से वंचित न रह जाए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय, सूक्ष्म योजना और जन सहभागिता को अभियान की सफलता की कुंजी बताया।

## ब्रिटिश संसद में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की वैष्णव संस्कृति पर डॉ. पीताम्बरदेव गोस्वामी का व्याख्यान

**गुवाहाटी (हिंस)।** महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की नववैष्णव संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करते हुए डॉ. पीताम्बरदेव गोस्वामी ने लंदन स्थित ब्रिटिश संसद में एक विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर असम की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपरा का व्यापक परिचय कराया गया। इसकी जानकारी नदी दीप माजुली जिला स्थित आवनी आटी सत्र (मठ) के सूत्रों ने दी है। कार्यक्रम में शंकरी कला, साहित्य, संगीत और सांस्कृतिक धरोहर को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। ब्रिटिश संसद भवन में आयोजित इस आयोजन ने असम की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और महापुरुष शंकरदेव के योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर डेका सत्राधिकार देवानंद देवगोस्वामी, डॉ. जयंत विश्व शर्मा, आदित्य गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय एवं असमिया समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर असम की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने तथा महापुरुष शंकरदेव की शिक्षाओं और वैष्णव परंपरा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

## होजाई : कपीली जलविद्युत परियोजना ने नियंत्रित रूप से अतिरिक्त पानी छोड़ा

### जिले में फिलहाल बाढ़ का खतरा नहीं

**होजाई (निसं)।** जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, होजाई ने आज सूचित किया है कि उत्तर-पूर्व विद्युत निगम लिमिटेड की उमरांगसू में स्थित कपीली जलविद्युत परियोजना ने खांगडोंग बांध से नियंत्रित रूप से अतिरिक्त पानी छोड़ने की सूचना दी है। यह कदम हालिया जोरदार वर्षा के कारण जलाशय में असामान्य रूप से बढ़े जल प्रवाह को देखते हुए लिया गया है। जल संसाधन विभाग की आज दोपहर 2 बजे आई ताजा जलस्तर रिपोर्ट के अनुसार होजाई जिले की मुख्य नदियां-कपीली और यमुना-वर्तमान में खतरे की सीमा के नीचे बह रही हैं और इन नदियों के जलस्तर में गिरावट का स्तर दिखाई दे रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस समय जिले के किसी भी हिस्से में घबराने की जरूरत नहीं है। होजाई जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण संबंधित सभी विभागों तथा संस्थाओं के साथ लगातार समन्वय बनाए रखकर स्थिति की सतर्क निगरानी कर रहे हैं। यदि नदी के जलस्तर में या बांध से पानी छोड़ने की प्रक्रिया में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है, तो जिला प्रशासन की ओर से तुरंत और तात्कालिक रूप से आम जनता को सूचित कर दिया जाएगा। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्रोतों से मिली सूचनाओं पर भरोसा रखें।

## बाक्सा में *पब्लिक वेलफेयर कैंप 2026* का ऑफिशियली उद्घाटन

**बाक्सा।** आज बाक्सा के अदलबाड़ी कम्युनिटी हॉल में *पब्लिक वेलफेयर कैंप 2026* का ऑफिशियली उद्घाटन किया गया। यह कैंपेन, जो 20 जून तक चलेगा, जिले के पांच डेवलपमेंट जोन में एक साथ चलाया जा रहा है ताकि सरकारी सेवाओं और वेलफेयर स्कीमों का फायदा लोगों को घर-घर तक पहुंचाया जा सके। एमएलए थानेश्वर बसुमतारी, एमएलए मानेश्वर ब्रह्मा, एमसीएलए दिगंत गायरी, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर किमनेई चांगचन, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, डीआरडीए प्रोजेक्ट डायरेक्टर बहारुल इस्लाम और डीआरडीए एपीडी लावण्या दास और दूसरे अधिकारी उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। अपनी स्पीच में, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर किमनेई चांगसन ने पिछले बारह सालों में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लागू की गई अलग-अलग वेलफेयर पहलों, खासकर महिला-केंद्रित स्कीमों और सोशल सिक्योरिटी प्रोग्रामों पर रोशनी डाली,

जिनसे नागरिकों को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत सब्सिडी वाली जरूरी चीजें और कई राज्य कल्याणकारी योजनाओं ने जिले में फायदों की जिंदगी की क्वालिटी में सुधार किया है। उन्होंने लोगों से पब्लिक वेलफेयर कैंप के जरिए दी जाने वाली सर्विस का फायदा उठाने की अपील की। मीटिंग को संबोधित करते हुए, एमएलए मनेश्वर ब्रह्मा ने कहा कि पिछले बारह सालों में केंद्र और राज्य सरकारों के विकास और वेलफेयर प्रोग्राम ने बीसीटी इलाके में किसानों, युवाओं, महिलाओं और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की तरक्की में अहम योगदान दिया है। उन्होंने पीएम किसान, पीएम मुद्रा योजना, जल जीवन मिशन, और *निजुत मोइना* जैसी स्कीमों का जिक्र किया, जिनसे जिले के लोगों को फायदा हुआ है। एमएलए ने समावेशी विकास और पब्लिक वेलफेयर के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की लगातार कोशिशों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पब्लिक वेलफेयर कैंप सरकारी सर्विस को सीधे लोगों तक पहुंचाने और योग्य फायदों को अलग-अलग वेलफेयर स्कीम से जोड़ने में एक अहम प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेंगे। उन्होंने नागरिकों से इस मौके का पूरा फायदा उठाने और कैंप में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस कैंपेन के तहत, नागरिकों को सरकारी स्कीम, सर्विस और सुविधाओं के बारे में जानकारी देने के लिए हेल्प डेस्क और डिपार्टमेंटल एग्जिबिशन स्टॉल लगाए गए हैं। हेल्थ सेक्टर, प्रोग्रेसिव किसानों, सोशल वेलफेयर सेक्टर और सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के कई सफल लोगों को उनके योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

## मुनीश्री आनंद कुमार जी *कालू* के संबोधन से भक्तो ने सदाचार का ज्ञान लिया

**नगांव (निसं)।** आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य मुनि श्री आनंद कुमार जी *कालू* के सान्निध्य में दुमदुमा निवासी अंकित कुमार भंसाली (पुत्र राजेन्द्र कुमार भंसाली एवं श्रीमती संजू भंसाली) तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भास्वती बोरा भंसाली ने तेरापंथ धर्मसंघ के प्रति आस्था एवं समर्पण का परिचय देते हुए गुरु धारणा ग्रहण की। मुनिश्री ने धर्म, संस्कार एवं गुरुभक्ति के महत्व पर प्रेरणादायी उद्बोधन प्रदान किया। मुनि श्री ने कहा कि गुरु धारणा केवल एक धार्मिक संकल्प नहीं, बल्कि अपने जीवन को सदाचार, संयम, संस्कार एवं आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर करने का संकल्प है। गुरु के निर्देशों का अनुसरण करते हुए व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक एवं सफल बना सकता है। परिवार के इस आध्यात्मिक संकल्प की अनुमोदना करते हुए उनके मंगलमय एवं धर्ममय जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस पावन अवसर पर दुमदुमा, धींग बाजार, मोरियाबाड़ी, नगांव, गुवाहाटी से श्रावक समाज उपस्थित थे।

## रंगिया : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर सह-जिला प्रशासन ने की बैठक

**रंगिया (विभास)।** आगामी 21 जून को विश्वभर के साथ साथ रंगिया सह-जिला प्रशासन भी 12वें *अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस* का भव्य आयोजन करेगा। इसकी तैयारियों को लेकर आज रंगिया सह-जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। सह-जिला आयुक्त मृदुस्मिता बोरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में सह-जिला के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान सह-जिला आयुक्त मृदुस्मिता बोरा ने सभी अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श कर कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। उन्होंने योग दिवस के कार्यक्रम के सुचारू और सफल संचालन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। मिली जानकारी के अनुसार, इस वर्ष रंगिया सह जिला प्रशासन द्वारा मुख्य योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय दिघिपार स्थित *किसान कानन* में किया जाएगा जोकि प्रातः 6-30 बजे प्रारंभ होगा। बैठक में उपस्थित योगाचार्य ज्योतिष कलिता ने कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए आयोजित होने वाले योग सत्र के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। इस बैठक में सह-जिले की सहायक आयुक्त जिलजीली थाओसेन, सहायक आयुक्त वाहेदूज जमान, कोया राजस्व चक्राधिकारी राकेश ठाकुर, तथा रंगिया नगर पालिका (पौर सभा) के कार्यवाहक अधिकारी समीरन बोरा सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

**<u>DOs & DON'Ts FOR AMBUBACHI MAHAYOG' 2026</u>**

***Maa Kamakhya Devalaya***
***22nd June to 26th June 2026***

**To ensure a safe, orderly and spiritually fulfilling pilgrimage during AmbubachiMahayog 2026, all devotees are requested to follow the guidelines below :**

**<u>DOs:</u>**

1. Follow all instructions issued by the Temple Administration, District Administration, Police Administration and Volunteers.
2. Leave footwear only at the designated ***Footwear Deposit Point*** under Nilachal Flyover, at Nursery Point, foothills of Nilachal Hill.
3. Entry is only from the foothill of Nilachal Hill during the permitted hours. ***Entry will commence at 05:00 AM and will close at 06:00 PM every day.***
4. Carry valid identification documents and keep emergency contact details handy to meet any emergency situation.
5. Use designated queue systems and maintain discipline while proceeding towards the temple and also during the Parikrama of the Temple.
6. Drink adequate water and take necessary precautions against heat and fatigue.
7. Cooperate with security personnel during checking and frisking procedures.
8. Keep the surroundings clean and use designated waste disposal facilities.
9. Follow traffic diversions and parking arrangements notified by the authorities.
10. Immediately report any unattended baggage, suspicious activity or medical emergency to the nearest security or administrative personnel.

**<u>DON'Ts :</u>**

1. Do not carry footwear beyond the designated ***Footwear Deposit Point*** under Nilachal Flyover, at Nursery Point, foothills of Nilachal Hill.
2. Do not attempt to enter the temple after ***06:00 PM,*** as entry will not be permitted.
3. Do not use the roads from ***Pandu Port*** and ***Mekhela Ujua Road*** for common entry, as these routes will remain closed for general public access during the event.
4. ***Senior citizens, minors, pregnant women and persons with serious health conditions*** are advised to avoid undertaking the pilgrimage due to heavy crowds, steep terrain and prolonged waiting periods.
5. Do not carry prohibited items such as weapons, inflammable materials, intoxicants or any hazardous substances.
6. Do not jump queues, push fellow devotees or create congestion in the movement corridors.
7. Do not litter or deface temple property and public infrastructure.
8. Do not spread rumours or circulate unverified information through social media or other means.
9. Do not ***park vehicles*** in unauthorized locations or obstruct emergency routes.
10. Do not engage in any activity that may disturb the sanctity, safety and orderly conduct of the AmbubachiMahayog.

**Advisory**

Devotees are requested to plan their visit carefully, considering the anticipated large congregation of pilgrims. The cooperation of all visitors is essential for the smooth and successful conduct of AmbubachiMahayog 2026.

By;

**Tourism Department, Govt. of Assam/ District Administration, Kamrup(M)/ Kamakhya Devalaya Administration**

***-- DIPR /D/VBS-33/19-Jun-26***

संपादकीय

# राम मंदिर में चढ़ावा चोरी

**अयोध्या** के भव्य राम मंदिर में चोर-डकैत भी हैं। यह सुनकर और निरंतर खबरों को खंगाल कर यह सच सामने आ रहा है कि भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये चोर-डकैत राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम ने अपनी अंतरिम रपट देनी है और इस माह के अंत तक अंतिम रपट भी आ जानी चाहिए, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सचिव, आरोपित महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बन कर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी। राम मंदिर में निर्माण समिति के अध्यक्ष के तौर पर नृपेन्द्र मिश्रा भी हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव होते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश और आशीर्वाद की बात कही है। क्या जांच दल को इनकी दरकार है? कुछ आरोपितों के घरों से लाखों रुपए की नकदी बरामद की गई है। गोबर के ढेर के नीचे भी नकदी छिपा कर रखी गई थी, लेकिन दान-चोरी तो करोड़ों में बताई जा रही है! प्रभु राम हमारे आराध्य हैं, मन-मन में बसे हैं, सदियों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का सपना साकार हुआ है, तो प्रभु के सानिध्य में ऐसे चोर-डकैत कैसे और कब पैदा हो गए? यह सुरक्षा-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित तो कर दी, लेकिन इतने व्यापक अपराध के लिए प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? प्राथमिकी नहीं है, तो जांच टीम किस अपराध, किस चोरी अथवा आरोपों की जांच कर रही है? यह चोरी 'आर्थिक भीतरघात' भी है, क्योंकि आरोपित ये बताए जा रहे हैं, जो दान के नोटों की गिनती की रोजाना की प्रक्रिया और ऑडिट से जुड़े रहे हैं। नोटों की गिनती भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारी, मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी, सीसीटीवी की निगरानी में, करते रहे हैं। क्या मंदिर के भीतर ही एक 'संगठित गिरोह' ने आकार ले लिया है? कोई अकेला-दुकेला इतनी बड़ी चोरी-डकैती नहीं कर सकता। बेशक यह चोरी-डकैती 'महापाप' है और चोर असहनीय दैहिक और आत्मिक कष्टों को झेलेंगे। कीड़े पड़ेंगे उनमें! बहरहाल 2024-25 में राम मंदिर में कुल 327 करोड़ रुपए का दान या चढ़ावा आया। उसमें से दानपेटियों में ही करीब 153 करोड़ रुपए का दान आस्थावानों ने दिया। औसतन 12.75 करोड़ रुपए दान प्रति माह आया। अर्थात करीब 42 लाख रुपए रोजाना...! यह कोई सामान्य राशि नहीं है। चूंकि जनवरी, 2024 में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी। अत्यंत भव्य कार्यक्रम था। कई आंखें डबडबा रही थीं। इस पुण्य अवसर पर देश के प्रधानमंत्री और असंख्य साधु-संत उपस्थित थे। किसी ने ऐसी चोरी-डकैती की कल्पना तक नहीं की थी। यदि इन अढ़ाई सालों में ही 200 करोड़ रुपए की चोरी-डकैती मान लें, तो उस हिसाब से करीब 27 लाख रुपए की हररोज चोरी की गई। राम मंदिर में ऐसा सुरक्षा-तंत्र है, सीसीटीवी की 24 घंटे निगरानी है, नकदी की गिनती, उसे बैंक तक ले जाने और अन्य मूल्यांकन की परतें कई हैं, लिहाजा ऐसी चोरी संभव नहीं लगती, लेकिन पुराने कारसेवक संतोष दुबे और एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन में शिकायतें दर्ज कराई हैं। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चढ़ावा-चोरी के आरोप लगाए हैं। एक हिंदूवादी नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिख कर हस्तक्षेप करने की मांग की है। यकीनन यह बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है, 2027 के विधानसभा चुनाव का बुनियादी मुद्दा भी बन सकता है।

भगवान राम के प्रति अगाध आस्था के तौर पर मंदिर में जो दान दिया जाता है या चढ़ावा दान में आता है, उसे चोर डकार रहे हैं। राम मंदिर में भी भ्रष्टाचार, घोटाला पनप रहा है। यह सिर्फ आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक शर्मिन्दगी है। अभी तक जो सामने आया है, उसके मुताबिक ये चोर-डकैत राम मंदिर की भीतरी व्यवस्था के ही अंग हैं। चढ़ावा-चोरी का आरोप 200 करोड़ रुपए का लगाया गया है। यह राजनीतिक आरोप हो सकता है, क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेष जांच टीम ने अपनी अंतरिम रपट देनी है और इस माह के अंत तक अंतिम रपट भी आ जानी चाहिए, लेकिन चौंकाने और हैरान करने वाली बात यह है कि न तो राम मंदिर के ट्रस्ट ने पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज कराई और न ही ट्रस्ट के सचिव, आरोपित महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दिया। चंपत राय बुनियादी और नैतिक रूप से सभी स्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। मंदिर में वीआईपी बन कर विराजमान रहने के लिए ही उनकी नियुक्ति नहीं की गई थी।

कुछ अलग

# क्रांति से कायाकल्प

**चंद** महापुरुषों से मुलाकात हुई है, जो मिलते ही हमसे चरण वंदना की उम्मीद करने लगते हैं। नहीं कर पाते, तो हमें तुरंत अपने गुट से बाहर फेंक देते हैं। हमारे खिलाफ एकतरफा जंग का ऐलान कर देते हैं, लेकिन अब जो पहले ही आपके अखाड़े में पराजित बैठा हो, उसे जंग लड़ने के लिए कैसे उकसाओगे? जिंदगी के कामयाबी से जीने के लिए आपके कुछ असूल हैं, जो उम्र भर उन पर चल ही नहीं पाया, उसके खिलाफ आपने अपना फौज फांटा खड़ा भी कर लिया, तो क्या किया। जो आपके अखाड़े में उतरा ही नहीं, उसे आपके अखाड़े का भगौड़ा घोषित कर दिया, यह क्या किया? यह मूर्ख था। उसने जो किताबों में पढ़ा था, उसे ही अपनी जिंदगी में ढालने का प्रयास करता रहा, इसलिए कभी न उधर का हो सका, न इधर का। कामयाबी ने उसके कभी पग तो क्या माथा भी नहीं चूमा, और असफलता तो उसका परिचय बनी। उसके साथ कोई अतिवादी मानक डिग्रियां कैसे जोड़ देता? हमने छक्कन से पूछा कि 'आप किस की बात कह रहे हैं, भाई साहब। कहीं हमारी और हमारे लिखने की बात तो नहीं कर रहे, जिसे कभी किसी ने पढ़ा तो है न, और लेखक मानने से हमेशा इन्कार कर दिया।' इसके बावजूद आप मरते दम तक लिखने से बाज नहीं आए। वह अवश्य आश्वस्त हो गए होंगे, कि इस जन्मजात जुनूनी का शुरू से कोई पेंच ढीला था, देख तो मरते दम तक ढीला ही रहा। उन्होंने कह दिया होगा। अपने बारे में ऐसा सुनना कुछ अजीब नहीं लगता। हम शुरू से ही असाधारण नहीं थे, जिस काम में हाथ डालते अपनी अति-साधारणता से उसका गुड़ गोबर कर देते। अब लगता है हम अपनी जिंदगी का किस्सा बयान नहीं कर रहे।

## विश्व सिकल सेल दिवस (19 जून) पर विशेष

# समय से पहले बच्चों की मौतों का कारण बन रहा सिकल सेल रोग

**प्रतिवर्ष** 19 जून को विश्वभर में सिकल सेल रोग (एससीडी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व सिकल सेल दिवस' मनाया जाता है। एससीडी और इससे पीड़ित रोगी या उसके परिवार द्वारा सामना किए जाने वाले संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 2008 से ही यह दिवस मनाया जा रहा है। एससीडी को सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में मान्यता देने के लिए संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा इस दिन को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा और दुनिया की मुख्य आनुवंशिक बीमारियों में से एक माना था। यह दिवस सरकारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और नीति निर्माताओं को एससीडी अनुसंधान, उपचार तथा सहायता सेवाओं के लिए संसाधनों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लोगों को इस बीमारी, इसके लक्षणों, इसकी जटिलताओं, आनुवंशिक परामर्श और परीक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से ही यह दिवस हर साल एक खास विषय के साथ मनाया जाता है। सिकल सेल रोग संगठनों के वैश्विक गठबंधन द्वारा 'विश्व सिकल सेल दिवस 2026' के लिए 'जीवन प्रत्याशा में अंतर को कम करना: सिकल सेल रोग में समानता' विषय निर्धारित किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग तीन लाख बच्चे हीमोग्लोबिन बीमारी के गंभीर रूपों के साथ पैदा होते हैं, जिसमें थैलेसीमिया और सिकल सेल बीमारी शामिल हैं। सिकल सेल बीमारी आमतौर पर माता-पिता से बच्चों में वंशानुगत मिलती है। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि दुनिया की करीब पांच प्रतिशत आबादी ऐसी है, जो सिकल सेल बीमारी की स्वस्थ वाहक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक वंशानुगत रक्त विकार एससीडी काफी हद तक उपेक्षित एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बना हुआ है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रहा है, जिनमें विशेष रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, कैरेबियन द्वीप, मध्य अमेरिका, सऊदी अरब, भारत, तुर्की, ग्रीस और इटली के लोग शामिल हैं। हालांकि अफ्रीका में प्रभावित व्यक्तियों का अनुपात बहुत अधिक है। सिकल सेल रोग दुर्बल करने वाला एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है। एससीडी हीमोग्लोबिन की एक वंशानुगत आनुवंशिक असामान्यता है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला ऑक्सीजन ले जाने वाला प्रोटीन होता है। इस रोग में लाल रक्त कोशिकाएं (आरबीसी) अर्धचंद्र अथवा सिकल (हंसिया अथवा दरांती) का आकार ले लेती हैं तथा ये अनियमित आकार की कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं में अवरोध पैदा कर सकती हैं, जिससे विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती है। स्वस्थ लाल रक्त

कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं के माध्यम से आसानी से आगे बढ़ते हुए पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाती हैं लेकिन एससीडी से प्रभावित व्यक्तियों में दोषपूर्ण जीन लाल रक्त कोशिकाओं को कठोर, चिपचिपी और अर्धचंद्राकार सिकल के आकार का बना देता है। ये सिकल कोशिकाएं छोटी रक्त वाहिकाओं में फंस जाती हैं, जिससे रुकावटें पैदा होती हैं, जो रक्त के प्रवाह को धीमा या अवरुद्ध कर देती हैं और शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचने में कमी का प्रमुख कारण बनती हैं। इसके कारण असहनीय दर्द, अंग क्षति और कई स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं। लाल रक्त कोशिकाओं में आमतौर पर हीमोग्लोबिन होता है लेकिन जिन लोगों को सिकल सेल बीमारी होती है, उनकी लाल रक्त कोशिकाओं में ज्यादातर हीमोग्लोबिन एस होता है, जो हीमोग्लोबिन का एक असामान्य प्रकार है। इसी के कारण लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है और वे सिकल आकार की बन जाती हैं। सिकल के आकार की ये लाल रक्त कोशिकाएं प्रायः एक साथ चिपक सकती हैं और रक्त प्रवाह तथा ऑक्सीजन को शरीर के सभी हिस्सों तक पहुंचने से रोकती हैं। आमतौर पर लाल रक्त कोशिकाएं गोल और लचीली होती हैं, इसलिए वे रक्त वाहिकाओं के माध्यम से आसानी से चलती हैं लेकिन असामान्य रक्त कोशिकाएं सामान्य रक्त कोशिकाओं की तुलना में अधिक समय तक जीवित नहीं रहती हैं। स्वस्थ आरबीसी का जीवनकाल करीब 120 दिन होता है लेकिन सिकल के आकार की आरबीसी 10 से 20 दिनों के भीतर ही मर जाती हैं, जिससे शरीर में आरबीसी की कमी हो जाती है और इस रक्त विकार वाले लोगों में सिकल सेल एनीमिया या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं विकसित हो सकती हैं, जो प्रभावित जीन के प्रकार पर निर्भर करती हैं। सिकल सेल रोग का सबसे आम प्रकार सिकल सेल एनीमिया है। इस बीमारी से पीड़ित लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है, जिससे उनमें संक्रमण की आशंका ज्यादा होती है। यह बीमारी समय के साथ विभिन्न अंगों को क्षति पहुंचा सकती है, जिसमें प्लीहा, यकृत, गुर्दे और फेफड़े शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप अंग विफलता जैसी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। सिकल सेल बीमारी चार प्रकार की होती है, सिकल सेल एनीमिया, सिकल हीमोग्लोबिन-सी डिजीज, सिकल बीटा-प्लस थैलेसीमिया और सिकल बीटा-जीरो थैलेसीमिया। अभी तक एससीडी वाले अधिकांश लोगों के लिए कोई निश्चित इलाज नहीं है लेकिन कुछ उपचार दर्द से राहत दे सकते हैं और बीमारी से जुड़ी जटिलताओं से बचने में मदद कर सकते हैं। आमतौर पर सिकल सेल के लक्षण बच्चे के जन्म के 5 या 6 महीने बाद से ही दिखने शुरू हो जाते हैं। एससीडी के संकेत और लक्षण व्यक्ति से व्यक्ति में भिन्न होते हैं और समय के साथ बदल सकते हैं। इसके लक्षणों में एनीमिया, दर्द, हाथ-पैरों में सूजन, बार-बार बैक्टीरियल संक्रमण, शारीरिक विकास या यौवन में देरी, हड्डियों को नुकसान, दृष्टि संबंधी समस्याएं इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इस बीमारी का समय रहते इलाज कराया जाना बेहद जरूरी है। इस बीमारी के इलाज में एंटीबायोटिक्स, इंट्रावीनस फ्ल्यूड, नियमित रूप से खून चढ़ाना और कई बार सर्जरी की भी जरूरत पड़ती है। यदि इस बीमारी से पीड़ित मरीज की समुचित देखरेख की जाए तो सिकल सेल रोग को प्रबंधित किया जा सकता है। इस बीमारी की गिरफ्त में आने वाले बच्चे को जन्म के तुरंत बाद वैक्सीन दी जाती है, जिनमें पेनीसीलियन प्रोफाइलैक्सिस और न्यूमोकॉकस बैक्टीरिया के लिए दिया जाने वाला टीका शामिल हैं, इसके अलावा फोलिक एसिड सप्लीमेंट भी दिया जाता है। हालांकि एससीडी के उपचार में हाइड्रोक्सीयूरिया और रक्त आधान सहित कई महत्वपूर्ण प्रगति हुई हैं लेकिन फिर भी इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है। कुछ व्यक्तियों के लिए इन उपचारों तक पहुंच भी सीमित हो सकती है। सिकल सेल बीमारी के कारण दुनियाभर में समय से पहले हो रही बच्चों की मौतों को देखते हुए इस पर नियंत्रण पाने के लिए दुनियाभर में वैज्ञानिक प्रयासरत हैं। दिसंबर 2023 में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने अमेरिका में 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के रोगियों में सिकल सेल रोग के इलाज के लिए पहली दो जीन थैरेपी को मंजूरी देने की घोषणा की थी। यह नया उपचार अमेरिका में एससीडी उपचार के लिए सही दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है, जहां यह बीमारी करीब एक लाख अमेरिकियों को हर साल प्रभावित करती है। हालांकि जीन थैरेपी और स्टेम सेल प्रत्यारोपण के जरिये सिकल सेल रोग का उपचार कराना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं क्योंकि उपचार की यह प्रक्रिया बहुत महंगी होती है। आमतौर पर सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए रोगी की आयु और रोग की गंभीरता के आधार पर डॉक्टर उपचार करते हैं। इस बीमारी से राहत के लिए प्रायः दर्द निवारक दवाईयां, रक्त प्रवाह में रुकावट को रोकने के लिए दवाएं, कीमोथैरेपी दवा और आरबीसी को आपस में बंधने और दरांती का आकार बनाने से रोकने वाली दवाएं दी जाती हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा और दुनिया की मुख्य आनुवंशिक बीमारियों में से एक माना था। यह दिवस सरकारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और नीति निर्माताओं को एससीडी अनुसंधान, उपचार तथा सहायता सेवाओं के लिए संसाधनों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लोगों को इस बीमारी, इसके लक्षणों, इसकी जटिलताओं, आनुवंशिक परामर्श और परीक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से ही यह दिवस हर साल एक खास विषय के साथ मनाया जाता है। सिकल सेल रोग संगठनों के वैश्विक गठबंधन द्वारा 'विश्व सिकल सेल दिवस 2026' के लिए 'जीवन प्रत्याशा में अंतर को कम करना : सिकल सेल रोग में समानता' विषय निर्धारित किया गया है।

देश दुनीया से

# महिला सुरक्षा, जवाबदेही और न्याय के सवाल

**कुरुक्षेत्र** के एलएनजेपी अस्पताल में नाबालिग दलित लड़की के साथ डॉक्टर द्वारा किए गए कथित दुराचार की घटना ने प्रदेश को झकझोर दिया। घटना के तुरंत बाद जनवादी महिला समिति और अन्य सामाजिक संगठनों ने कुरुक्षेत्र समेत विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़िता के पुनर्वास तथा राज्य महिला आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। उल्लेखनीय है कि आरोपी चिकित्सक पर विगत में भी यौन शोषण से जुड़े कई आरोप लगाए जाने की बात कही जाती है। वर्ष 2008 में कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आई एक कंप्यूटर साइंस छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे। अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि उस समय उन्हें न तो पद से हटाया गया और न ही स्थानांतरित किया गया। बाद में मामले में कथित रूप से जांच प्रक्रिया और बयान दर्ज होने के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट तैयार होने की बात कही गई। इसके अलावा वर्ष 2017 में भी एक दलित महिला द्वारा अस्पताल परिसर में दुराचार का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने और मामला अदालत तक पहुंचने की बात सामने आई। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौते की स्थिति बनने की बात सामने आई। वर्तमान घटनाक्रम में राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन 6 जून को कुरुक्षेत्र पहुंचीं और पूरे मामले की समीक्षा की। सभी जानते हैं कि नर्सों का कार्य डॉक्टरों की निगरानी करना नहीं, बल्कि मरीजों की सेवा करना है। अस्पताल के भीतर नर्सों को लाइन में खड़ा कर वीडियो रिकॉर्डिंग कराने और कथित रूप से विवादस्पद टिप्पणियां करने को लेकर असंतोष उभरा। नर्सों ने अपने सम्मान और गरिमा से जुड़ी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए चेयरपर्सन से इस्तीफे और सार्वजनिक माफी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। नर्सों के आंदोलन के बाद जब उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, तब कथित रूप से आरोपी डॉक्टर और उन्हें संरक्षण देने वाली लॉबी द्वारा सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नर्सों के खिलाफ अभियान चलाया जाने लगा। ऐसे में यह अभियान यौन हिंसा के आरोपी और उनके समर्थकों को बचाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनवादी महिला समिति के नेतृत्व में 5 जून को कुरुक्षेत्र में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला नेतृत्व अस्पताल में पीड़ित बच्ची से भी मिला। उसके बाद ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा अगले दिन कुरुक्षेत्र पहुंचीं। वहां उनके व्यवहार को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिन्हें आयोग की गरिमा के अनुरूप नहीं माना गया। आरोप है कि उन्होंने आरोपी के बजाय नर्सिंग स्टाफ पर ही दोष मढ़ने की कोशिश की। सवाल यह है कि चिकित्सक के रूप में कार्यरत उस व्यक्ति पर पहले भी ऐसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं, फिर भी सेवानिवृत्ति के बाद उसे दोबारा नियुक्ति कैसे दी गई, इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है? यह प्रश्न प्रशासनिक और निर्णय प्रक्रिया की जवाबदेही की ओर संकेत करता है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि उच्च स्तर पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण से वह कानून की सख्ती से बचता रहा। ऐसे गंभीर आरोपों के बावजूद उसके खिलाफ प्रभावी दंडात्मक कदम नहीं उठाए गए। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए गठित संवैधानिक आयोग की अध्यक्ष होने के बावजूद, यदि सार्वजनिक रूप से नर्सिंग कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार और भाषा के प्रयोग के आरोप सामने आते हैं, तो इसे गंभीर आपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में अपेक्षा की जाती है कि वे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यालय में बैठकर औपचारिक तरीके से जानकारी प्राप्त करतीं। साथ ही सरकार से सवाल उठातीं कि संबंधित डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति कैसे हुई। पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा होती रही है कि कहीं यह प्रभावशाली राजनीतिक संरचना से जुड़े दबावों का परिणाम तो नहीं है। सवाल यह भी है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए बनी संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका क्या हो? यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि उनके पदों पर बैठे व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का कारण न बनें। विभिन्न मामलों से जुड़े प्रकरण या कुरुक्षेत्र अस्पताल में 15 वर्षीय दलित लड़की के कथित यौन शोषण—ने यह सवाल और गंभीर कर दिया है कि क्या आरोपियों को कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता रहा है। ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आप का नजरीया

# किशाऊ से कमाऊ बांध तक

**हिमाचल** के जलाधिकारों में किशाऊ बांध परियोजना मील का पत्थर साबित होने जा रही है। एक लंबे संघर्ष और पानी की बढ़ती जरूरतों ने हिमाचल की उपयोगिता और वास्तविकता को पहली बार करीने से पढ़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक जिस नतीजे पर पहुंची, वहां मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कौशल, मोल-तोल तथा राष्ट्रीय संसाधनों में जल की जरूरतें सामने आई हैं। हिमाचल के हिस्से की व्याख्या में लाभान्वित होने वाले राज्य दो हजार करोड़ की लागत वहन करेंगे, जबकि विद्युत उत्पाद से सौ करोड़ यूनिट बिजली रसीद होगी। जब परियोजना शुरू होगी तो हर साल हिमाचल के खाते में आएंगे छह सौ करोड़ रुपए। इस तरह की दस-बारह परियोजनाएं अगर अमल में आएं तथा चालीस वर्ष गुजार चुकीं विद्युत परियोजनाएं फिर से सैद्धांतिक रीत निभाएं, तो हिमाचल एक टैक्स फ्री राज्य बन सकता है। करीब 23 हजार मैगावाट की क्षमता से परिपूर्ण हिमाचल को अगर केंद्र इसी तरह न्याय की पताका सौंपे, तो आत्मनिर्भरता के किरदार में साहस व सामर्थ्य जुड़ जाएगा। किशाऊ बांध अब कमाऊ बांध बनने जा रहा है, तो इसी की बानगी में भाखड़ा, पौंग, कोल व अन्य बांध परियोजनाएं भी नई दृष्टि चाहती है। हिमाचल सरकार ने अंततः सबसे बड़ी पानी की जंग जीती है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने तथा मुकम्मल अंजाम तक पहुंचाने के लिए अभी और वकालत की जरूरत है। विद्युत परियोजनाओं में हिमाचल का श्रेय यह नहीं कि हमारी नदियां मैदानी इलाकों के लिए सिर्फ बिजली-पानी उगलती रहें, बल्कि हर कतरे की कीमत अगर जुड़ती है, तो इससे प्रदेश के आत्मसम्मान की सौगंध पूरी होगी। यह वर्ष हिमाचल के पक्ष में दो अनुकूल फैसले लाया है। इससे पूर्व चंद्रताल के पानी पर राष्ट्रीय उद्घोष हुआ, तो चंद्र-भागा नदियों से निकली संभावना का एक प्रवाह सुरंग द्वारा ब्यास में आकर मिलेगा। इससे जल शक्ति के रूप में ब्यास नदी सीधे हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान को खुशहाली का नया गीत सुनाएगी। चंद्र से बहता पानी अब पाकिस्तान से नाता तोड़ कर, लाहुल-स्पीति के कोकसर से मढ़ी तक 8.7 किलोमीटर सुरंग के जरिए, राष्ट्रीय योजनाओं के संदर्भ बदलेगा। ऐसे में किशाऊ बांध परियोजना पर रहा विवाद खत्म हुआ व हिमाचल की भूमि अब कहीं जाकर सम्मानित हुई है। कमोबेश हर बांध परियोजना का आज के परिप्रेक्ष्य में सही-सही मूल्यांकन करना पड़ेगा। आत्मनिर्भरता की दिशा में तर्क और तरीका बदलना होगा। इससे पहले जब हिमाचल सरकार ने बिजली आपूर्ति की बैंकिंग प्रणाली बदली, तो लाभ की गुंजाइश हमारे हिस्से में आई। पहले सर्दियों में हिमाचल ज्यादा बिजली लेकर, पंजाब को गर्मियों में लौटा देता था, लेकिन अब खरीद और बिक्री सीधे टर्म पर होगी, तो बचत दो सौ से ढाई सौ करोड़ की होगी। हिमाचल बिजली और पानी से अपनी आय के स्रोत बढ़ा सकता है और यह किशाऊ बांध परियोजना ने फिर से पुख्ता कर दिया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से पुनः आग्रह किया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से बारह वर्ष बाद मुफ्त बिजली की रॉयल्टी बारह फीसदी की दर से बढ़ाई जाए। इसी संदर्भ में बैरास्यूल परियोजना के 44 वर्ष पूर्ण होने पर निशुल्क बिजली की भागीदारी 50 प्रतिशत करने का आग्रह किया है। हिमाचल के न्यायोचित अधिकारों की रक्षा अगर केंद्र करे तो पंजाब-हरियाणा से ऊर्जा यूनिट के बकाया का छह प्रतिशत ब्याज के साथ 7784 करोड़ का भुगतान हो सकता है। इसी तरह शानन परियोजना की वापसी से सालाना तीन सौ करोड़ की आय हिमाचल को मिलेगी।

एक लंबे संघर्ष और पानी की बढ़ती जरूरतों ने हिमाचल की उपयोगिता और वास्तविकता को पहली बार करीने से पढ़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक जिस नतीजे पर पहुंची, वहां मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का कौशल, मोल-तोल तथा राष्ट्रीय संसाधनों में जल की जरूरतें सामने आई हैं। हिमाचल के हिस्से की व्याख्या में लाभान्वित होने वाले राज्य दो हजार करोड़ की लागत वहन करेंगे, जबकि विद्युत उत्पाद से सौ करोड़ यूनिट बिजली रसीद होगी। जब परियोजना शुरू होगी तो हर साल हिमाचल के खाते में आएंगे छह सौ करोड़ रुपए। इस तरह की दस-बारह परियोजनाएं अगर अमल में आएं तथा चालीस वर्ष गुजार चुकीं विद्युत परियोजनाएं फिर से सैद्धांतिक रीत निभाएं, तो हिमाचल एक टैक्स फ्री राज्य बन सकता है। करीब 23 हजार मैगावाट की क्षमता से परिपूर्ण हिमाचल को अगर केंद्र इसी तरह न्याय की पताका सौंपे, तो आत्मनिर्भरता के किरदार में साहस व सामर्थ्य जुड़ जाएगा। किशाऊ बांध अब कमाऊ बांध बनने जा रहा है, तो इसी की बानगी में भाखड़ा, पौंग, कोल व अन्य बांध परियोजनाएं भी नई दृष्टि चाहती है। हिमाचल सरकार ने अंततः सबसे बड़ी पानी की जंग जीती है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने तथा मुकम्मल अंजाम तक पहुंचाने के लिए अभी और वकालत की जरूरत है। विद्युत परियोजनाओं में हिमाचल का श्रेय यह नहीं कि हमारी नदियां मैदानी इलाकों के लिए सिर्फ बिजली-पानी उगलती रहें, बल्कि हर कतरे की कीमत अगर जुड़ती है, तो इससे प्रदेश के आत्मसम्मान की सौगंध पूरी होगी। यह वर्ष हिमाचल के पक्ष में दो अनुकूल फैसले लाया है।

दृष्टि कोण

# अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

**कुछ** फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी। अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया। प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा। भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है। सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं।

सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है। जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे-धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया। अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था। लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है।

# हमारा संकल्प है कि गोमाता को कटने नहीं देंगे और देश की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होने देंगे : मुख्यमंत्री योगी

**लखनऊ ( हिंस )।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा संकल्प व संस्कार है कि गोमाता को कटने नहीं देंगे और देश की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उन्होंने सिख गुरुओं के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई आक्रांता या कसाई गोहत्या करता था, तो सिख वीर उसका वहीं काम तमाम कर देते थे। यह उस कालखंड की बात है, जब देश गुलाम था और लोग विदेशी आक्रांताओं के साये में जीवन व्यतीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग गाय का दूध पिएंगे, फिर उन्हें सड़कों पर बेसहारा छोड़ देंगे और जब ये गाय फसलों का नुकसान करेंगी तो दोष मुझे देंगे। गुरुवार को कानपुर में आयोजित *प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026* को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का कोई ऐसा सनातन धर्मावलंबी नहीं होगा, जो गोमाता की उपासना न करता हो, उसे अपने जीवन व परिवार का हिस्सा न मानता हो। गोमाता आधारित खेती न केवल कृषि को सशक्त बनाती है, बल्कि गोमाता की रक्षा भी करती है। साथ ही यह हम सभी को पुण्य का भागीदार भी बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 2000 वर्ष पहले भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 44 प्रतिशत थी। मुगलों की लूटपाट के बावजूद भारत की ग्लोबल इकॉनामी में हिस्सेदारी 24 प्रतिशत तक थी। जब तक भारत किसानों, व्यापारियों, नौजवानों और आधी आबादी के सामर्थ्य पर विश्वास करता रहा, तब तक देश समृद्धि की ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहा। लेकिन, जब हमने विदेशियों की नकल करना शुरू कर दिया तो वही भारत विपन्न होते-होते आजादी के समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में मात्र दो प्रतिशत हिस्सेदारी तक सिमट गया। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश ने नारी शक्ति, युवाओं, व्यापारियों और किसानों पर फिर से विश्वास किया। इसी का परिणाम है कि आज भारत पूरे विश्व में तेजी से आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आजाद भारत में किसानों को उनकी लागत का न्यूनतम डेढ़ गुना मूल्य देने की गारंटी किसी ने दी, तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वर्ष 2004 से 2014 के बीच देश में लाखों किसानों ने आत्महत्या की, लेकिन 2014 के

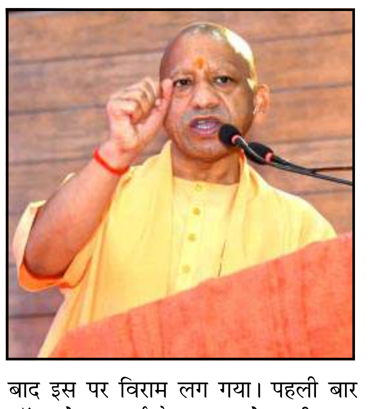

बाद इस पर विराम लग गया। पहली बार सॉइल हेल्थ कार्ड के माध्यम से धरती माता के स्वास्थ्य का परीक्षण शुरू हुआ। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जरिए अन्नदाता किसानों को फसल सुरक्षा की गारंटी मिली। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से सिंचाई की सुविधा बढ़ी। किसानों के लिए प्रोक्योरमेंट सेंटर स्थापित हुए और किसान सम्मान निधि की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का दोष है जो केमिकल फर्टिलाइजर व पेस्टीसाइड के उपयोग को बढ़ावा देती है। यदि किसान गो आधारित प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते हैं तो प्रति एकड़ 10 से 12 हजार रुपए की सीधी बचत रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों पर होने वाले खर्च में ही हो जाएगी। स्वास्थ्य उत्तम होगा तो दवाओं पर भी खर्च बचेगा। आयुष्मान भारत व मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से आर्थिक सहायता तो दी जाती है, लेकिन बीमारी से प्रभावित व्यक्ति की जीवन गुणवत्ता प्रभावित हो जाती है। पूरा परिवार संकट में आ जाता है। लोग स्वस्थ रहेंगे तो अपनी ऊर्जा व प्रतिभा का उपयोग देश-समाज के विकास में कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार-पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रयास शुरू किए गए हैं। प्रदेश के 34 जिले प्राकृतिक खेती को तेजी से अपना रहे हैं। गंगा किनारे स्थित 27 जनपदों तथा बुंदेलखंड के सात जनपदों को प्राकृतिक खेती के लिए चिह्नित किया गया है। बुंदेलखंड के किसानों ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पादों के सर्टिफिकेशन, पैकेजिंग व मार्केटिंग पर तेजी से कार्य करने की आवश्यकता है। कृषि मंडियों में इसके लिए व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब वैश्विक ऊर्जा संकट आया, दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही थी, लेकिन भारत मजबूती के साथ खड़ा था। भारत में महंगाई नियंत्रित रही। विपक्ष सिर्फ आलोचना करना जानता है, लेकिन भारत वैश्विक संकटों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है। विपक्ष का काम सिर्फ चिल्लाना है और चिल्लाता ही रहेगा। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, खादी-ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक महेश त्रिवेदी, अभिजीत सिंह सांगा, सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, राहुल बच्चा सोनकर, सरोज कुरील, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई, अरुण पाठक, राजबहादुर सिंह, अविनाश सिंह चौहान, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल आदि मौजूद रहे।

## भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 20 जून से पंजाब में शुरू करेंगे चुनाव अभियान

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन 20 जून से पंजाब के तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत अमृतसर स्थित श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेककर करेंगे। इसके बाद वह अमृतसर के दुर्गियाना मंदिर में भी दर्शन करेंगे। यह नितिन नवीन का भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पंजाब का पहला दौरा होगा। अमृतसर से नितिन नवीन जालंधर और लुधियाना जाएंगे, जहां वह भाजपा के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। 21 जून को लुधियाना में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें करीब 7,500 पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान नवीन पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है। 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने इस बार शिरोमणि अकाली दल के बिना अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व पंजाब को लेकर संगठनात्मक स्तर पर सक्रियता बढ़ा रहा है।

अमृतसर से दौरे की शुरुआत को सिख समुदाय तक पहुंच बनाने और पार्टी के जनाधार को पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा नेताओं के अनुसार लुधियाना में होने वाला बड़ा सम्मेलन मालवा क्षेत्र में पार्टी की संगठनात्मक ताकत दिखाने की रणनीति का हिस्सा है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि यह दौरा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अप्रैल में पंजाब चुनावों को लेकर दिए गए संदेश की अगली कड़ी है, जिसमें उन्होंने भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने और पंजाब के सर्वांगीण विकास का दावा किया था।

## पंजाब के वित्त मंत्री का दावा, विवादित वीडियो में सीएम भगवंत मान नहीं

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के विवादित वायरल वीडियो को एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर सही करार दिया है। दूसरी ओर, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने गुरुवार को दो लैब की रिपोर्ट जारी करते हुए दावा किया कि विवादित वीडियो में मुख्यमंत्री भगवंत मान नहीं हैं। अकाल तख्त साहिब में मुख्यमंत्री तथा कैबिनेट को तलब किए जाने के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आरोप है कि उन्होंने गुरुओं की तस्वीर के सामने शराब पी और उसके छींटे मारे। इसका कथित तौर पर वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसकी जांच अकाल तख्त ने करवाई और इसे सही करार देते हुए सीएम मान को गुरुदोषी और पंथ विरोधी करार दिया गया। अकाल तख्त की तरफ से मुख्यमंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्रियों को 29 जून को तलब किया गया। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने कहा कि अब 2 लैबों से जांच करवाई गई है। उन्होंने दावा किया कि इन रिपोर्टों में कुल 1191 अलग-अलग एंगल से मुख्यमंत्री की बॉडी का विश्लेषण किया गया है, जिसमें चेहरे, कद-काठी और चाल-ढाल तक का अध्ययन शामिल है। उन्होंने कहा कि ये दोनों लैब स्वतंत्र और भारत सरकार से मान्यता प्राप्त हैं। रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि वीडियो में सीएम भगवंत मान नहीं हैं, बल्कि किसी अभिनेता का इस्तेमाल करके वीडियो तैयार किया गया है। आम आदमी पार्टी इस मामले में पंजाब पुलिस महानिदेशक से भी मुलाकात करेगी। आज पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल डीजीपी से मिलेगा। इस साजिश के पीछे जो लोग हैं, उनकी पड़ताल और जांच की मांग करेगा। भले ही वे देश या विदेश में बैठे हों। वित्त मंत्री ने कहा कि अकाली दल व सुखबीर बादल एंड कंपनी ने सीएम को बदनाम करने की कोशिश की है। चीमा ने कहा कि जनता के सामने आ गया है कि अकाली दल, सुखबीर सिंह बादल और उसकी समूची पार्टी किस तरह के फर्जी वीडियो बनवाती है और लोगों की भावनाओं से खेलती है। पंजाब के लोगों की धार्मिक भावनाएं भड़काना चाहती है। अशांति फैलाना चाहती है।

# आरपीएससी ने एक साल में 47 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए 187 से अधिक परीक्षाओं का किया आयोजन

### साल भर में 10 हजार अभ्यर्थियों की चयन अनुशंषा संबंधित विभागों को की प्रेषित

**अजमेर ( हिंस )।** राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने शुक्रवार 19 जून को अपना कार्यकाल पूर्ण होने के एक दिन पूर्व गुरुवार को आयोग मुख्यालय पर कार्यकाल की उपलब्धियां व नवाचार साझा किया। उन्होंने बताया कि एक साल में 47 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए 187 से अधिक परीक्षाओं का आयोजन किया गया और 10 हजार अभ्यर्थियों की चयन अनुशंषा संबंधित विभागों को प्रेषित की गई। आयोग अध्यक्ष की ओर से आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में आयोग के समस्त सदस्य, सचिव एवं मुख्य परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष साहू ने 12 जून 2025 को पदभार ग्रहण करने के उपरांत अपने एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान आयोग द्वारा प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण, परीक्षा प्रणाली की शुचिता, पारदर्शिता और समयबद्धता की दिशा में अर्जित की गई उपलब्धियों तथा तकनीकी नवाचारों की विस्तृत जानकारी मीडिया के साथ साझा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से प्राप्त अभ्यर्थना अनुसार गत् ढाई वर्षों ( 1 जनवरी 2024 से ) में 61 भर्ती विज्ञापन आयोग द्वारा जारी किए गए। इनमें से 1 वर्ष की अवधि में ( 12 जून 2025 से ) युवाओं को

त्वरित अवसर प्रदान करते हुए 14 हजार 536 पदों पर सीधी भर्ती के लिए कुल 16 ब? विज्ञापन जारी किए गए। इस एक वर्ष की अल्प अवधि में 47 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए 187 से अधिक परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राइट टाइम पॉलिसी के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत सभी परीक्षाएं पूर्व-निर्धारित परीक्षा कैलेंडर के अनुसार समय पर आयोजित की गईं। साहू के अनुसार आयोग द्वारा 1 जनवरी 2024 से लेकर अब तक विभिन्न भर्तियों के तहत कुल 16,218 सफल अभ्यर्थियों की चयन अनुशंषा संबंधित विभागों को प्रेषित की जा चुकी है, जिससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार के त्वरित अवसर मिले हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया में उल्लेखनीय तथ्य यह है कि कुल प्रेषित रिकमंडेशन्स में से 10,220 अभ्यर्थियों की चयन अनुशंषा जून 2025 से लेकर अब तक ( 1 वर्ष ) की अवधि में ही प्रेषित की गई है। यह आंकड़ा आयोग की कार्यप्रणाली में आई अभूतपूर्व गति और प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। उन्होंने बताया कि प्रश्न-पत्रों की पूर्ण गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न्यूमैरिक लॉक सहित 7-स्तरीय सुरक्षा कवच का प्रावधान लागू किया गया। परीक्षा कक्षों में किसी भी प्रकार के कदाचार को रोकने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी की सीट-टू-सीट रीयल-टाइम डेट एवं टाइम स्टैंप के साथ अत्याधुनिक वीडियोग्राफी सुनिश्चित की गई। इन कड़े सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप सभी परीक्षाएं पूर्ण शुचिता, निष्पक्षता और जीरो-लीकेज के साथ संपन्न हुईं। चयन प्रक्रिया को गति देने के लिए कार्यकाल के दौरान रिकॉर्ड 14,885 अभ्यर्थियों के साक्षात्कारों का आयोजन किया गया। साक्षात्कार बोर्डों की कार्यकुशलता को बढ़ाते हुए प्रति कार्य दिवस औसतन 60 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू का नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। अभ्यर्थियों का विश्वास मजबूत करने के लिए अंतिम परिणाम जारी होने के तुरंत बाद सफल अभ्यर्थियों के प्राप्तांक वेबसाइट पर सार्वजनिक करने की पारदर्शी परंपरा शुरू की गई। परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आयोग ने जनवरी 2026 से कंप्यूटर आधारित भर्ती परीक्षा (सीबीआरटी) का पुनः सफल आयोजन शुरू किया।

## सड़क की गुणवत्ता खराब है तो संबंधित ठेकेदार और सरकारी कार्मिकों पर कार्रवाई करें : दिया कुमारी

**जयपुर ( हिंस )।** उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए है किसी सड़क की गुणवत्ता खराब पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार और सरकारी कार्मिको पर कार्रवाई की जाए। गुरुवार को पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते उप मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता की सड़क में सुधारात्मक एक्शन ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन फील्ड विजिट कर सड़को का निरीक्षण करेंगे और हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने भूमि अधिग्रहण, वन भूमि आदि कारणों से लंबित सड़क परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए कहा की संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को दूर किया जाए। उन्होंने कहा की सरकार की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों का लाभ आमजन को समय पर मिलना चाहिए। इस दौरान उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ तेजी से निर्माण कार्य पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एक्सप्रेस वे निर्माण को निर्धारित टाइम लाइन के अनुसार पूरा करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने एनएच, एनएचएआई, सीआरआईएफ, आरएसआरडीसी सहित विभिन्न सड़क एवं अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल,मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनील जय सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति कर अपनाई तुष्टिकरण की नीति : डॉ. अर्चना गुप्ता

**नूंह ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता गुरुवार को नूंह पहुंची। जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। ढोल-नगाड़ों की गूंज, पुष्पवर्षा और भारत माता की जयकारों के साथ प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया। पहुंचने पर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू, पूर्व विधायक जाकिर हुसैन, पूर्व मंत्री संजय सिंह, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं तथा गणमान्य नागरिकों ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं और नागरिकों के उत्साह को देखकर डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि यह स्वागत किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि भाजपा के समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ताओं का सम्मान है, जो दिन-रात संगठन और राष्ट्रहित के लिए कार्य कर रहे हैं। पटेल वाटिका में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर कार्य करती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार में आज देश में 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। 14 करोड़ से अधिक परिवारों को शौचालय की सुविधा मिली है। उज्ज्वला योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीबों को पक्के घर मिले हैं और आयुष्मान भारत योजना के जरिए जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई है। भाजपा धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर राजनीति नहीं करती, बल्कि बिना भेदभाव के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू, जिला प्रभारी समय सिंह भाटी, पूर्व विधायक जाकिर हुसैन, पूर्व मंत्री संजय सिंह, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व नूंह जिला प्रमुख जान मोहम्मद, पूर्व विधायक नसीम अहमद, पूर्व प्रत्याशी एजाज खान, मनीष जैन, जिला मीडिया प्रभारी जतिन बुसरी, संजीव गर्ग, असरूद्दीन सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## चंडीगढ़ के *झाड़ू योद्धा* इंदरजीत सिंह सिद्धू 23 जून को पद्मश्री से होंगे सम्मानित

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब कैडर के 88 वर्षीय सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी इंदरजीत सिंह सिद्धू 23 जून को राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किये जायेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान करेंगी। इसी साल गणतंत्र दिवस पर उनके नाम की घोषणा की गई थी। इंदरजीत सिंह सिद्धू उन 65 सम्मानित व्यक्तियों में शामिल होंगे, जिन्हें समारोह के दूसरे चरण में सम्मानित किया जाना है। इससे पहले 25 मई को पहले चरण में 66 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया था। पूर्व पुलिस अधिकारी इंदरजीत सिंह सिद्धू देशभर में चंडीगढ़ को स्वच्छ रखने के अपने अनूठे अभियान के लिए जाने जाते

हैं। वर्ष 1996 में पंजाब पुलिस से उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने चंडीगढ़ को अपना निवास बनाया। चंडीगढ़ के सेक्टर-49 में रहने वाले सिद्धू हर सुबह तड़के उठकर सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई करते हैं। वह स्वयं कचरा एकत्र करते हैं और साइकिल-रेहड़ी के माध्यम से उसे उचित स्थान तक पहुंचाते हैं। उनकी यह सेवा पिछले कई वर्षों से लगातार जारी है। इंदरजीत सिंह सिद्धू का मानना है कि पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति उनकी सोच श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं से प्रेरित है। उनका कहना है कि पवन गुरु, पानी पिता और धरती माता है। जो व्यक्ति अपनी मां समान धरती पर गंदगी फैलाता है, उससे बुरा कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लोगों को सफाई करने में नहीं, बल्कि गंदगी फैलाने में शर्म महसूस करनी चाहिए। उनके अनुसार समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इंदरजीत सिंह सिद्धू की सफाई करते हुए और कचरे से भरी रेहड़ी खींचते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इसके बाद उनकी सेवा भावना को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। इंदरजीत सिंह सिद्धू का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल स्वयं सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों को इसके लिए प्रेरित करना भी है। उन्होंने कहा कि यदि 88 वर्ष की आयु में भी वह अपने हाथों से सफाई कर सकते हैं, तो समाज का हर व्यक्ति इस अभियान में योगदान दे सकता है।

# प्रदुषित हो रही गंगा, डॉल्फिन के अस्तित्व पर संकट

**भागलपुर ( हिंस )।** विलुप्तप्राय राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन के संरक्षण को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। हालांकि डॉल्फिन के संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बिहार में पांच अक्तूबर को डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस राष्ट्रीय जलीय जीव को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पटना विश्वविद्यालय परिसर में गंगा नदी के किनारे भारत का पहला राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (एनडीआरसी) स्थापित किया गया है, जहां गंगा डॉल्फिन के व्यवहार और संरक्षण पर शोध किया जाता है। भागलपुर जिले में सुल्तानगंज से लेकर कहलगांव के बीच गंगा नदी का करीब 60 किलोमीटर लंबा क्षेत्र विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य बनाया गया है। यहां अवैध शिकार और मछली पकड़ने वाले जालों पर कड़ी नजर रखी जाती है। केंद्र सरकार भी प्रोजेक्ट डॉल्फिन नामक परियोजना के तहत बिहार को केंद्र में रखकर इसकी आबादी बढ़ाने तथा उनके आवास परिक्षेत्र को सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाने पर काम कर रही है। इसके अलावा बिहार सरकार वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सहयोग से इनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए स्थानीय मछुआरों को जागरूक कर रही है। केंद्र की नमामि गंगे योजना के तहत गंगा नदी में

प्रदूषण कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि, जैव विविधता कायम रहे और जलीय जीवों की आबादी बढ़ती रहे। गंगा प्रहरी और डॉल्फिन मित्र भी इस अभियान में शामिल है। वर्ल्ड बैंक और राज्य के वन विभागों की मदद से स्थानीय मछुआरों और युवकों को प्रशिक्षित कर डॉल्फिन मित्र बनाया गया है, ताकि संकट में फंसी गंगा डॉल्फिन को समय रहते मदद मिल सके और लोगों के बीच इसके संरक्षण को लेकर जागरुकता फैल सके। पर्यावरण विद दीपक कुमार उर्फ झुन्नू बताते हैं कि सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास एक हद तक कारगर रहे हैं, तभी तो इनकी संख्या लगभग स्थिर है और अवैध शिकार में भी कमी आई है। मूल बात यह कि हम गंगा डॉल्फिन या अन्य जलीय जीवों को तभी बचा सकेंगे, जब हम गंगा को बचाएंगे। इसके साथ ही गंगा नदी डॉल्फिन प्लेटफॉर्म के सभी हितधारकों को पूरे समन्वय के साथ मिलकर काम करना होगा। गांगेय डॉल्फिन के संरक्षण और भागलपुर स्थित डॉल्फिन अभयारण्य के विकास को लेकर प्रशासनिक सुस्ती और फंड के इस्तेमाल पर अब सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि डॉल्फिन अभयारण्य के एनओसी के नाम पर क्लीयरेंस फंड में करो ?ं की राशि जमा है, लेकिन विकास कार्य फाइलों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। नियम के अनुसार इस राशि का उपयोग डॉल्फिन अभयारण्य के विकास और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की बेहतरी के लिए होना चाहिए था, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

# शहीदी दिवस याद किए गए सिक्खों के पांचवें गुरु गुरु अर्जून देव जी महाराज

**भागलपुर ( हिंस )।** सिक्खों के पांचवें गुरु गुरु अर्जून देव जी महाराज के शहीदी दिवस पर गुरुवार को जिले भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम बीच शहर स्थित गुरुद्वारा परिसर में हुआ जहां श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस दौरान राहगीरों और आम लोगों के बीच लस्सी का वितरण किया गया, जबकि परिसर में सामूहिक अरदास और कीर्तन का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं के बीच कच्ची लस्सी दूध, पानी, चीनी और गुलाब जल मिलाकर तैयार की शर्बत वितरित की गई। उल्लेखनीय है कि सिख परंपरा के अनुसार जेठ माह में गुरु अर्जन देव जी की शहादत की स्मृति में देशभर के गुरुद्वारों में कच्ची लस्सी का वितरण किया जाता है। इस मौके पर गुरुद्वारा के संरक्षक खेमचंद बच्चानी ने कहा कि मुगल शासक जहांगीर ने गुरु अर्जन देव जी को अनेक प्रकार की शारीरिक यातनाएं देकर धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य करने का प्रयास किया था, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांतों और धर्म से समझौता नहीं किया। धर्म और मानवता की रक्षा के लिए उन्होंने वर्ष 1606 में अपना बलिदान दिया और सिख इतिहास के प्रथम शहीद गुरु कहलाए। वहीं कोलकाता से आए रागी जत्था भाई रवींदर सिंह ने कहा कि गुरु अर्जन देव महाराज ने मानवता, सत्य, प्रेम और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने सिखों के

पवित्र ग्रंथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब का संकलन किया तथा अमृतसर में हरिमंदिर साहिब के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि गुरु अर्जन देव की शहादत आज भी लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने, दूसरों की सेवा करने और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम का संचालन सरदार हर्षप्रीत सिंह ने किया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से चल रहे साप्ताहिक पाठ का भी समापन किया गया। आयोजन के अंत में गुरुद्वारा परिसर में लंगर का आयोजन हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार ताजेंद्र सिंह, संरक्षक खेमचंद बच्चानी, सचिव सरदार बलबीर सिंह, कोषाध्यक्ष मनजीत सिंह छाबड़ा, उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह भंडारी सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

# व्यापार समझौते के करीब भारत-अमेरिका, मोदी ने नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली

**फ्रांस के एवियां-ले-बैन में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों एक बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय बैठक की। इस मुलाकात को पिछले एक साल से द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट के बाद दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और संबंधों को नई दिशा देने के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।**

**जी7 सम्मेलन से इतर 16 महीनों बाद हुई द्विपक्षीय बैठक को बेहद सकारात्मक बताया गया**

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक बड़े व्यापार समझौते के बहुत करीब हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा और संरक्षा का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। अधिकारियों ने मोदी-ट्रंप की इस मुलाकात को बेहद सकारात्मक बताया। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को कठिन वार्ताकार बताते हुए कहा कि उनकी मोदी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई है और वह भविष्य में भारत का दौरा कर सकते हैं।

उन्होंने रोजगार के मामले में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को अद्भुत बताया और कहा कि अगर भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका मदद करेगा। ट्रंप ने पश्चिम एशिया सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत की बड़ी भूमिका की भी सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के साथ शांति समझौते के प्रयासों के लिए ट्रंप की सराहना की, लेकिन दुनिया भर में काम करने वाले हजारों भारतीय नाविकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने हाल ही में ओमान तट पर हुए हमलों में भारतीय नाविकों की मौत और होर्मुज स्ट्रेट के वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्व का उल्लेख किया। मोदी ने आशा व्यक्त की कि पश्चिम एशिया शांति वार्ता में नाविकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भारत पर अमेरिकी व्यापार शुल्क, पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व के प्रति समर्थन और आव्रजन संबंधी मुद्दों सहित विभिन्न कारणों से दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखा जा रहा था। जी7 आउटरीच सत्र में, मोदी ने आपसी विश्वास को सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति बताया था और अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के कथन विश्वास करो, लेकिन सत्यापित करो का उल्लेख करते हुए इसे आज भी प्रासंगिक बताया। दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात 16 महीने पहले हुई थी।

## न्यूज़ ब्रीफ

### भारतीय क्रिप्टो निवेशकों का एसआईपी और दीर्घकालिक निवेश पर बढ़ा भरोसा,

नई दिल्ली। भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर निवेशकों की सोच तेजी से बदल रही है। जल्द पैसा

कमाने की बजाय अब भारतीय लंबी अवधि के निवेश और क्रिप्टो एसआईपी को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक सर्वे ने इस परिवर्तन को उजागर किया है। सर्वे के अनुसार 41.2 फीसदी भारतीय निवेशक अब लंबी अवधि के लिए क्रिप्टो होल्ड करना पसंद करते हैं, जबकि शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग में केवल 25.8 फीसदी ही बचे हैं। म्यूचुअल फंड की तर्ज पर क्रिप्टो एसआईपी की लोकप्रियता में 220 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। निवेशक अब औसतन 4,000 से 6,000 रुपये मासिक एसआईपी बिटकॉइन और एथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में कर रहे हैं, जो उनकी सुनियोजित रणनीति का संकेत है। खास बात है कि 46.4 फीसदी महिलाओं में क्रिप्टो को लंबे समय तक होल्ड करने का जज्बा पुरुषों से अधिक है। वहीं 35 से 44 वर्ष के आयु वर्ग के निवेशक भी दीर्घकालिक रणनीति पर सर्वाधिक भरोसा दिखा रहे हैं। बाजार में अचानक गिरावट आने पर भी 91 फीसदी भारतीय निवेशक डरकर अपनी क्रिप्टो नहीं बेचते, बल्कि शांत रहते हैं या अतिरिक्त निवेश का अवसर देखते हैं। केवल 9 फीसदी लोग ही घबराकर बिकवाली करते हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्य के निवेशक इस मामले में सबसे समझदार साबित हुए हैं।

### वैश्विक गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा ईंधन: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारत में ईंधन की दरें तत्काल कम नहीं की जा सकतीं। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री ने इस स्थिति के लिए कई जटिल कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें सस्ते तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। मंत्री गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वैश्विक कच्चे तेल की दरें घटने पर भी ईंधन की कीमतों में तुरंत कमी करना संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण सस्ते कच्चे तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचने में लगने वाला समय है, जिससे जहाजों की आवाजाही बढ़ती है और स्थिति सामान्य होने में देरी होती है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि से लगभग 3.94 रुपये प्रति लीटर का ही प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसे तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस साल फरवरी से पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल कंपनियों पर गहरा असर डाला है, जिसका अधिकांश बोझ केंद्र सरकार ने उठाया है। इस प्रभाव को झेलने के चक्कर में केंद्र सरकार को 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य ने ईंधन की बढ़ी कीमतों में उत्पाद शुल्क घटाकर अपने राजस्व का त्याग नहीं किया, जबकि केंद्र सरकार को अपना कामकाज चलाना है और तेल कंपनियों को भी अपना अस्तित्व बनाए रखना अनिवार्य है।

### घरेलू एयरलाइंस के मुनाफे में 10-15 फीसदी गिरावट का अनुमान

मुंबई। चालू वित्त वर्ष घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। एक रेटिंग एजेंसी के अनुमान के मुताबिक इस वित्त वर्ष में घरेलू एयरलाइंस के परिचालन मुनाफे में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इसकी मुख्य वजह हवाई ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियां और पश्चिम एशिया में जारी टकराव के चलते रुपये की कमजोरी है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में लगभग 19,000 करोड़ रुपये रहा यह मुनाफा चालू वित्त वर्ष में घटकर 16,000-17,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। एजेंसी ने बताया कि किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में जेट ईंधन का हिस्सा सामान्यतः 40 प्रतिशत होता है, लेकिन कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

# एनएसई का 30,000 करोड़ का मेगा आईपीओ जल्द, सेबी के पास डीआरएचपी फाइल, हुंडई का रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार

नई दिल्ली

**नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल कर दिया है। अनुमानित 30,000 करोड़ रुपये का यह मेगा इश्यू पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा, और यह अक्टूबर 2024 में आए हुंडै मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है।**

डीआरएचपी के अनुसार इस आईपीओ में कुल 14.89 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी, जिसके जरिए मौजूदा शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब 6 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में भारतीय स्टेट बैंक 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयर, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड 1.19 करोड़ शेयर, अरांडा इन्वेस्टमेंट्स 1.12 करोड़ शेयर, बैंक ऑफ बड़ौदा 1.10 करोड़ शेयर और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 1.09 करोड़ शेयर बेचेंगे। हालांकि एनएसई में सबसे बड़ी 10.72 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली भारतीय जीवन बीमा निगम इस इश्यू में कोई भी शेयर नहीं बेचेगी। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से आएगा, जिसमें खुदरा (रिटेल) निवेशकों के लिए 35 फीसदी शेयर आरक्षित रखे जाएंगे, जो उन्हें इस बहुप्रतीक्षित लिस्टिंग में शामिल होने का एक बड़ा मौका देगा। योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए अधिकतम 50 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए कम से कम 15 फीसदी हिस्सा आरक्षित होगा। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को इस प्रस्तावित आईपीओ को सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद मंजूरी दी थी।

### वित्तीय धोखाधड़ी रोकने में सीएफओ की महत्वपूर्ण भूमिका: एनएफआरए

नई दिल्ली। नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) के एक प्रमुख अधिकारी ने कंपनियों की वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) को सीधा जिम्मेदार ठहराया है। एसोचैम के एक कार्यक्रम में उन्होंने राजेश एक्सपोर्ट्स जैसे ऐतिहासिक वित्तीय घोटालों का जिक्र करते हुए सीएफओ की जवाबदेही पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों में कॉरपोरेट फर्जीवाड़ा हुआ, राजेश एक्सपोर्ट्स भी उनमें से एक है, उनकी बैलेंसशीट बाहर से साफ-सुथरी दिखती थी। लेकिन बाद में कमियां सामने आईं क्योंकि सीएफओ ने खातों को पारदर्शी तरीके से पेश नहीं किया। राजेश एक्सपोर्ट्स समेत कई मामलों में सीएफओ की लापरवाही से छिपी रही वित्तीय अनियमितताएं, उन्होंने रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग) को एक बड़ी समस्या बताया, जहां कई जानकारियों का खुलासा नहीं होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीएफओ में वित्तीय जानकारी को पारदर्शिता के साथ पेश करने का साहस और क्षमता होनी चाहिए। हाल ही में सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स पर वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच अपनी कुल आय को लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है, जिसमें लगभग 99 फीसदी आय विदेशी सहायक कंपनियों से दर्शाई गई थी।

# पीएफ खाता खोलना हुआ आसान, ईपीएफओ ने शुरू की चेहरा पहचान तकनीक

नई दिल्ली

**तकनीकी अड़चनें खत्म, बुजुर्ग कर्मचारियों को भी सुविधा**

देश के करोड़ों नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी घोषणा की है। अब पीएफ खाते से जुड़े यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिवेट करने के लिए न तो आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी का इंतजार करना होगा और न ही बायोमेट्रिक मशीन पर उंगलियों के निशान देने होंगे। ईपीएफओ ने यूएमएएनजी ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा पहचानने वाली हाई-टेक तकनीक) की नई सुविधा शुरू की है, जिससे यह प्रक्रिया अब काफी आसान और तेज हो जाएगी। अब तक यूएएन एक्टिवेट करने में आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी न आने या पुराना नंबर बंद होने जैसी तकनीकी दिक्कतें आती थीं, जिससे कर्मचारियों का काम हफ्तों अटका रहता था। साथ ही, उम्र बढ़ने या कठिन शारीरिक श्रम के कारण जिन बुजुर्ग या कामकाजी कर्मचारियों के उंगलियों के निशान मशीन पर मैच नहीं हो पाते थे, उनके लिए भी अब केवल चेहरा स्कैन करना ही काफी होगा। यह नई सुविधा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की लाइव फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक के साथ जोड़ी गई है। इसका लाभ लेने के लिए फोन में आधार फेसआरडी ऐप डाउनलोड होना जरूरी है। यह ऐप केवल लाइव चेहरे को पहचानता है, जिससे पुरानी फोटो या वीडियो के जरिए किसी भी तरह की धोखाधड़ी की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाती है। यह आधुनिक सुरक्षा प्रणाली पीएफ फंड को बेहद सुरक्षित और फुलप्रूफ बनाती है।

### तुर्की के इस्तांबुल में इलेक्ट्रिक बसों की प्रदर्शनी

तुर्की के इस्तांबुल में सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में नई तकनीकी उपलब्धियों को लेकर लगी एक प्रदर्शनी में कई चीनी कंपनियों ने अपनी बसों को पेश किया। इस प्रदर्शनी का लक्ष्य बेहतर सुविधाओं वाली इलेक्ट्रिक बसों को सामने लाना है।

# अवतार इंडस्ट्रीज एसएमई से मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी में

**कंपनी ने यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन के बाद लिया**

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की उभरती हुई कंपनी अवतार इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिसे पहले एएसएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, उसने अपने कॉरपोरेट डेवलपमेंट की दिशा में कई बड़े फैसलों का एलान किया है। कंपनी की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक कंपनी अब नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म से निकलकर मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी कर रही है, जो इसके कॉरपोरेट डेवलपमेंट में बड़ा कदम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अवतार इंडस्ट्रीज की आधिकारिक शुरुआत 1992 में हुई थी, मगर इसने कारोबार 1983 में ही शुरू कर दिया था। आज ये कंपनी ऑटोमोबाइल पार्ट्स, रेलवे या ट्रामवे के पार्ट्स और जॉबवर्क समेत अन्य संबंधित सेवाओं का निर्माण और ट्रेड करती है। कंपनी आयरन और स्टील, शीट मेटल पार्ट्स, फोर्ज्ड पार्ट्स और असेंबली का कारोबार करती है और टीएमएल की अधिकृत सेल्स और सर्विस डीलर है। यह रेलवे, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए शीट मेटल प्रेसिंग और डीप ड्राइंग, मशीनड असेंबली, फैब्रिकेटेड ऑटो पार्ट्स और फोर्ज्ड प्रोडक्ट्स की ओईएम है। इस समय अवतार इंडस्ट्रीज के क्लाइंट्स में टीआरएफ, यॉर्क ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट, टाटा स्टील और इंडियन रेलवे के अलावा जेओएसटी और डीजीओएस शामिल हैं। 17 जून को हुई बोर्ड बैठक में कंपनी ने शासन और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बोर्ड ने रिचा राठौड़ को कंपनी का नया एमडी नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया। कंपनी का यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में इसके शानदार प्रदर्शन के बाद आया है। अवतार इंडस्ट्रीज ने इस अवधि में 10,287.38 लाख रुपए का रेवेन्यू और 137.32 लाख का प्रॉफिट दर्ज किया है। कंपनी का ध्यान अब तेजी से बढ़ते एआई, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन और एडवांस्ड एनालिटिक्स के अवसरों पर है। इसका शेयर आज 150.30 रुपए पर है और इसकी मार्केट कैपिटल 157 करोड़ रुपए है।

# टाटा मोटर्स वाणिज्यिक वाहनों की कीमत में एक जुलाई से करेगी 2.5 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अब अपने व्यावसायिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। नई कीमतें आगामी एक जुलाई से लागू होंगी।

कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि यह मूल्य वृद्धि उसके सभी वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होगी। हालांकि अलग-अलग मॉडल एवं संस्करण के अनुसार बढ़ोतरी की दरें अलग-अलग हो सकती है। टाटा मोटर्स के मुताबिक यह कदम कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और अन्य लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए उठाया जा रहा है।

इससे पहले कंपनी ने पैसेंजर व्हीकल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। टाटा मोटर्स के कार के दाम में यह बढ़ोतरी भी आगामी एक जुलाई से लागू होगी। कंपनी ने बताया था कि उसकी पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक कारों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि टाटा मोटर्स देश में व्यावसायिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका पुराना नाम टेल्को था। ये टाटा समूह की प्रमुख कंपनियों में से एक है। इसकी उत्पादन इकाइयां भारत में जमशेदपुर, पुणे और लखनऊ सहित देश के कई शहरों में हैं।

### नवी मुंबई से हर माह 10 लाख यात्री भरेंगे उड़ान, अदाणी समूह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की भी कर रहा तैयारी

मुंबई। अदाणी समूह द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) ने आगामी नवंबर तक हर महीने 10 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही का लक्ष्य रखा है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है, तो यह देश का आठवां हवाई अड्डा बन जाएगा जो मासिक आधार पर इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को संभालेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ बातचीत के बाद, समूह ने विमानों की दैनिक आवाजाही 150 से बढ़ाकर 250 करने की योजना बनाई है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। एनएमआईए ने दिसंबर 2025 के अंत में वाणिज्यिक उड़ानें शुरू की थीं और तब से यात्रियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में 2.21 लाख यात्रियों से बढ़कर मई में यह आंकड़ा 6.42 लाख तक पहुंच गया है। परिचालन शुरू होने के बाद शुरुआती पांच महीनों में ही हवाई अड्डे ने 17.7 लाख से अधिक घरेलू यात्रियों की आवाजाही संभाली है और मार्च में ही यह शीर्ष 10 घरेलू हवाई अड्डों में जगह बना चुका है। सूत्रों के अनुसार सीमा शुल्क और आव्रजन विभागों से मंजूरी मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शीघ्र शुरू होंगी, जिसकी उम्मीद जून के अंत तक है। एनएमआईए ने वित्त वर्ष 2028 तक 2 करोड़ यात्रियों का आंकड़ा छूने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसके हासिल होने पर यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हवाई अड्डा बन सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए 1.1 करोड़ यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े हवाई अड्डों की तुलना में एनएमआईए को अभी लंबा सफर तय करना है।

# हाकी प्रो लीग : भारतीय टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

राटरडैम (नीदरलैंड)

**भारतीय पुरुष हाकी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडैम चरण के अपने दूसरे मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।**

मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलाकांत शर्मा (35वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ (45वें मिनट) ने किया।

यह मैच अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह के लिए एक यादगार रहा। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हाकी खिलाड़ी बने और उन्होंने पूर्व दिग्गज दिलीप टिर्की का रिकार्ड तोड़ दिया। मनप्रीत ने यह अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जबकि टिर्की ने 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

भारत ने मैच की शुरुआत अच्छी की और बाल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, जिससे शुरुआत में ही दबाव बना। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला, जब मनदीप ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले 13वें मिनट में लाकड़ा ने शानदार शाट लगाकर जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाया और स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस मजबूत बना रहा। जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कार्नर 24वें मिनट में मिला, लेकिन अमित रोहिदास ने उसे रोक दिया। लगातार अटैक करने के बाद जर्मनी को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचाव किया और हाफटाइम तक भारत की 2-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम गोल करने की कोशिश करती रही। उनकी मेहनत 35वें मिनट में रंग लाई, जब नीलाकांत ने शानदार गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए और गोल करने के बराबर मौके बनाए। आखिरकार, तीसरे क्वार्टर के खत्म होने में कुछ सेकेंड बाकी रहते हुए जर्मनी को सफलता मिली, जब राफेल हार्टकोफ ने 45वें मिनट में गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया। आखिरी क्वार्टर में भारतीय डिफेंस मजबूती से डटा रहा और जर्मनी को गोल करने से रोकते हुए 3-1 से शानदार जीत पक्की की।

## न्यूज़ ब्रीफ

### फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया, कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रा पर रोका

न्यूजर्सी। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे हैं। इस कारण कांगो ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रा रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी। रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और आगे मैच पर ध्यान दो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। उनके संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये। वहीं पुर्तगाल के कोच राबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

### मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने सोनकपुर स्टेडियम टीम को दो विकेट से हराया

मुरादाबाद। ब्रासिटी अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने सोनकपुर स्टेडियम टीम को दो विकेट से हराया। तीन विकेट लेने वाले मुरादाबाद सिटी के कार्तिक को मैन आफ द मैच चुना गया वहीं 41 रन की पारी खेलने वाले विवेक को गेम चेंजर अवार्ड दिया गया। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सोनकपुर स्टेडियम की टीम 29.3 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से हर्षवर्धन ने 79 गेंदों पर 56 रन और कुमार अभिमन्यु ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए। हालांकि कार्तिक की सटीक गेंदबाजी के आगे सोनकपुर स्टेडियम के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके। कोहिनूर और सक्षम ने भी दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने 23.2 ओवर में आठ विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। विवेक ने 31 गेंदों में 41 रन और अभिजीत ने 16 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सोनकपुर स्टेडियम की ओर से हर्षित ने तीन और विशाल ने दो विकेट लिए लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी।

### फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन। फीफा विश्व कप फुटबाल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकार्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पाट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

# लगातार जीत से उत्साहित चंबल घड़ियाल्स कप्तान शुभम शर्मा, बोले- तैयारियों ने दिलाई सफलता

इंदौर

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 सिंधिया कप-2026 में चंबल घड़ियाल्स का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। टीम ने अब तक अपने सभी सात मुकाबले जीतकर अजेय रहने का रिकार्ड कायम रखा है। इस सफलता पर कप्तान शुभम शर्मा ने खुशी जताते हुए कहा कि लगातार जीत हासिल करना बेहद सुखद अनुभव है और टूर्नामेंट से पहले की गई कड़ी तैयारी ने टीम की इस कामयाबी में अहम भूमिका निभाई है।

चंबल घड़ियाल्स ने इस सीजन जीत का सिलसिला जारी रखा है। बीती रात टीम ने इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स को 39 रनों से हराकर लगातार सातवीं जीत दर्ज की। इससे टीम इस सीजन अंक तालिका में 14 अंकों के साथ टाप पर काबिज है।

बुंदेलखंड बुल्स के खिलाफ जीत के बाद कप्तान शुभम शर्मा ने कहा कि लगातार सात जीत हासिल करना बहुत अच्छा लग रहा है। जब तक हम जीतते रहते हैं तो ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक रहता है। हालांकि हमें पता है कि अभी भी कुछ ऐसी जगहे हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हर मैच में अलग-अलग चुनौतियां होती हैं और आज भी ऐसा ही था। हमने शुरुआत में कुछ विकेट गंवा दिए थे, इसलिए साझेदारी बनाना बहुत जरूरी हो गया था। कप्तान शर्मा ने कहा कि टूर्नामेंट से पहले की तैयारी ने हमारी सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। हमने ग्वालियर में एक साथ अच्छी ट्रेनिंग की, टीम के बीच मजबूत तालमेल बनाया और वही समझ हमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में मदद कर रही है। मुकाबले की बात करें तो चंबल घड़ियाल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभम शर्मा (81) और त्रिपुरेश सिंह (50) की शानदार पारियों की बदौलत अपने 20 ओवरों में आठ विकेट पर 218 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इन दोनों के अलावा अंकुश सिंह 26 रन, अमन भदौरिया 15 रन, मयूर पटेल ने नाबाद 13 रन और आवेश खान ने 7 रन का योगदान दिया। बुंदेलखंड बुल्स की ओर से अनंत दुबे ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। यश पाटीदार, हर्षित परसाई, शिवांग कुमार और विक्रांत भदोरिया ने एक-एक विकेट लिया।

## फीफा विश्वकप : हैरी केन के अच्छे प्रदर्शन से इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया

अर्लिंग्टन। कप्तान हैरी केन के दो गोलों की सहायता से इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप फुटबाल के अपने पहले ही मैच में जीत से शुरुआत की है। इंग्लैंड ने डलास स्टेडियम में हुए ग्रुप एल के एक मुकाबले में क्रोएशिया को रोमांचक मुकाबले में 4-2 से हरा दिया। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी ने दो गोल दागे। हैरी के अलावा जूड बेलिंगहैम और स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल किया। दोनों टीमों ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। क्रोएशिया ने हमलों की शुरुआत की पर इसके बाद इंग्लैंड ने भी पलटवार किये। 12वें मिनट में इंग्लैंड को पेनल्टी मिली। पेनल्टी पर केन के शाट को गोलकीपर ने रोक लिया पर फाउल होने से दोबारा पेनाल्टी ली गयी। इसमें केन गोल दागने में सफल रहे। इससे टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। इसके बाद क्रोएशिया ने वापसी के प्रयास शुरु किये। उसकी ओर से मार्टिन बटुरिना ने शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इससे इंग्लैंड को फिर से बढ़त मिल गयी। कार्नर किक पर हैरी ने अच्छा हेडर लगाकर अपना दूसरा गोल दागने के साथ ही इंग्लैंड को 2-1 से फिर बढ़त दिला दी पहले हाफ के अंत में एक बार फिर क्रोएशिया ने गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। ये गोल मे इवान पेरिसिक के पास पर मूसा ने किया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने आक्राकम अंदाज अपनाया। खेल शुरू होने के केवल दो मिनट बाद ही जूड बेलिंगहैम ने एक मैदानी गोल किया। उन्होंने सटीक शाट लगाकर इंग्लैंड को मुकाबले में 3-2 से बढ़त दिला दी। इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार हमले किये पर क्रोएशियाई रक्षापंक्त ने विफल कर दिये। बेलिंगहैम, डेक्लान राइस और निको ओरेली ने गोल के प्रयास किये पर क्रोएशियाई गोलकीपर लिवाकोविक ने उन्हें विफल कर दिया।

# 10 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का अगला सत्र : सैकिया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2027 सत्र 10 मार्च में शुरु हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि मार्च की शुरुआत में ही सत्र शुरु करने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों, दर्शकों सहित सभी लोगों को तेज गरमी से बचाया जा सके।

सैकिया के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए लीग को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक रखे जाने की योजना बनायी गयी है। सैकिया ने हालांकि साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने का कोई इरादा नहीं है।.

**मैचों की संख्या बढ़ाने का कोई इरादा नहीं**

गौरतलब है कि आईपीएल आमतौर पर मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल को जल्दी शुरू करने से खिलाड़ी ही नहीं दर्शकों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा, इस साल आईपीएल मार्च अंत में शुरू हुआ और 31 मई तक चला। 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है।

सैकिया ने कहा, इसके अलावा मई में मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए सही होता है।। इसलिए मई के अंतिम पखवाड़े में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए टूर्नामेंट को दो सप्ताह पहले शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के साथ-साथ हमारी आईपीएल संचालन परिषद में भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या हम टूर्नामेंट को मार्च के शुरू में प्रारंभ कर सकते हैं।

सैकिया ने कहा, अगले साल से हम इसे जल्दी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मैंने अपने महाप्रबंधक (खेल विकास) (पूर्व तेज गेंदबाज एबी कुरुविला) को निर्देश दे दिया है कि वह ऐसा कार्यक्रम तैयार करें जिससे हम 10 मार्च तक टूर्नामेंट शुरू करके 15 मई तक समाप्त कर सकें।

## ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन 22 से 27 जून तक रायपुर में

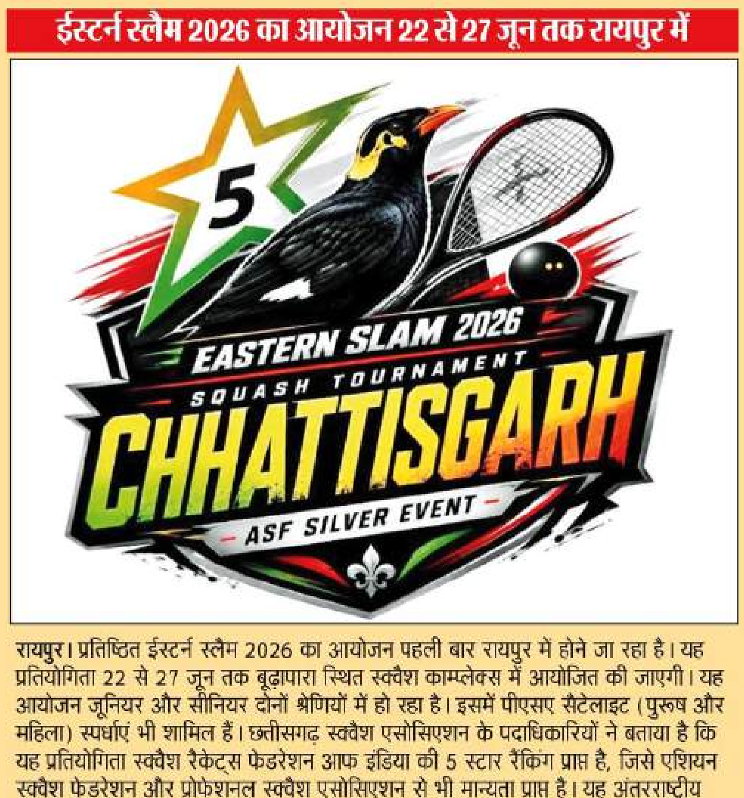


रायपुर। प्रतिष्ठित ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन पहली बार रायपुर मे होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 22 से 27 जून तक बूढ़ापारा स्थित स्क्वैश काम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में हो रहा है। इसमें पीएसए सैटेलाइट (पुरुष और महिला) स्पर्धाएं भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया है कि यह प्रतियोगिता स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन आफ इंडिया की 5 स्टार रैंकिंग प्राप्त है, जिसे एशियन स्क्वैश फेडरेशन और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन से भी मान्यता प्राप्त है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की 5-स्टार रैंकिंग प्रतियोगिता है, जिसमें भारत, सिंगापुर सहित 3 देशों और 21 राज्यों के लगभग 349 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

# महिला हाकी नेशंस कप : भारत ने उरुग्वे को 3-2 से हराया

आकलैंड

**भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया।**

इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया, जिसमें अमेरिका, जापान और उरुग्वे पर लगातार तीन जीत शामिल हैं। अमेरिका पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

न्यूजीलैंड के आकलैंड में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए दीपिका (24वें मिनट, 56वें मिनट) और दीपिका सोरेंग (43वें मिनट) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए चियारा एपेंनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलार (55वें मिनट) ने गोल दागे। यह मैच मिडफील्डर नेहा के लिए एक खास मौका था, जिन्होंने भारतीय महिला हाकी टीम के लिए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

मुकाबले के पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद उरुग्वे ने 13वें मिनट में चियारा के गोल से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि भारत ने जोरदार वापसी करते हुए हाफ टाइम से पहले अपनी शानदार फार्म में चल रही खिलाड़ी दीपिका के पेनल्टी कार्नर को 24वें मिनट में सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

पहले हाफ के बाद भारत ने अपनी खेल की तीव्रता बढ़ाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग के शानदार गोल की बदौलत भारत ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

उरुग्वे ने वापसी करते हुए कप्तान मनुएला के गोल से बराबरी कर ली। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब दिया। महज एक मिनट बाद दीपिका ने पेनल्टी कार्नर से अपना दूसरा गोल दागकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी, जिससे भारत की जीत सुनिश्चित हो गई।

# हाकी इंडिया ने मिडफील्डर नेहा को 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर दी बधाई

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने अनुभवी मिडफील्डर नेहा को भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी है। उन्होंने गुरुवार को न्यूजीलैंड के आकलैंड में आयोजित एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप में उरुग्वे के खिलाफ मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने मिडफील्डर नेहा की उपलब्धि की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय हाकी में उनके लंबे करियर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना किसी भी खिलाड़ी के करियर में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। नेहा एक दशक से अधिक समय से हमारी मिडफील्ड की अहम खिलाड़ी रही हैं। मैदान पर कठिन परिस्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता उनकी आंतरिक शक्ति और चरित्र को दर्शाती है। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हम भारतीय हाकी में उनके अमूल्य योगदान को सलाम करते हैं और राष्ट्रीय जर्सी में उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक महत्वाकांक्षी युवा खिलाड़ी से भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने तक नेहा का सफर वाकई शानदार है। वह दृढ़ता की मिसाल हैं और उन्होंने साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। मिडफील्ड में उनकी मौजूदगी टीम में एक अलग ही ऊर्जा भर देती है। यह उपलब्धि खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का फल है। उनका करियर निश्चित रूप से देश भर की कई युवा लड़कियों को हाकी खेलने के लिए प्रेरित करेगा।

इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए नेहा ने कहा कि भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करके मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं अपने परिवार और प्रीतम सिवाच मैम को हर सुख-दुख में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं हाकी इंडिया, अपनी टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ की भी आभारी हूं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझ पर भरोसा जताया और मेरा मार्गदर्शन किया।

हरियाणा के सोनीपत में जन्मी नेहा ने पूर्व भारतीय कप्तान प्रीतम रानी सिवाच के मार्गदर्शन में हाकी खेलना शुरू किया था। उन्होंने 2014 में ग्लासगो (स्काटलैंड) में आयोजित एफआईएच चैंपियंस चैलेंज में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। पदार्पण के बाद से ही उन्होंने भारतीय महिला हाकी टीम में मिडफील्ड की एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। नेहा राष्ट्रीय टीम के सबसे महत्वपूर्ण दौर में एक केंद्रीय स्तंभ रही हैं। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम में वह एक अहम सदस्य थीं। उनके शानदार करियर में जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतना भी शामिल है। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को कांस्य पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अतिरिक्त, नेहा ने 2022 में आयोजित एफआईएच महिला नेशंस कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2023 में एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता। हाल ही में उन्होंने 2025 एशिया कप में राष्ट्रीय टीम को रजत पदक दिलाने में मदद की। वह रांची और राजगीर में आयोजित महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थीं।

# पहला रियल वर्ल्ड गेम...

आज के दौर में वर्चुअल रियलिटी का क्रेज लोगो पर दिनों-दिन बढ़ता चला जा रहा है, नई जनरेशन हर एप्प को वर्चुअल रियलिटी में ही देखना चाहती है।

**इसको देखते** हुए एक नया गेम बनाया गया है जो रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देता है। लैंड्स एंड गेम के को-डिजाइनर केन वोंग का कहना है कि जो लोग वर्चुअल रियलिटी को नहीं मानते उनको यकीन दिलवाने के लिए इसे बनाया गया है। इस गेम में कोई फिजिकल कंट्रोल्स नहीं दिए गए और आपको लुक पॉइंट्स पर फोकस कर इसे खेलना होगा। इस गेम को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता क्योंकि गेम के मूविंग ऑब्जेक्ट और कनेक्ट पैटर्न्स आपको हैरत में डाल देगें और आप सोचने पर मजबूर हो जाएगे कि ऐसा हो कैसे रहा है।

## क्या है खास

इस गेम की मोन्यूमेंट वैली में कोई टेक्स्ट और वॉइस नहीं दी गई जिससे आपको गेम खलते समय इंटरेक्शन करने से ही स्टोरी का पता चलता है। यह गेम 360-डिग्री लैंडस्केप पर खेली जाती है जिससे रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देखने को मिलता है। इस गेम में चट्टानों पर चलना, पहेलियां और हवा में उड़ना आदि शामिल है।

## सब कुछ रियल

इस गेम की स्टोरी को इस तरीके से बनाया गया है कि सब कुछ रियल लाइफ एक्टिविटीज की तरह यूजर को देखने को मिलती है। इसे डेवेलप करने के बाद इसे पार्टीज और फ्रेंड्स को गेम एक्सपीरियंस करने के लिए भेज दिया गया है।

# ज्यादा सेल्फी लेने से हो सकता है त्वचा को नुकसान

**लोगों** में आजकल सेल्फी लेने का चलन जोरों पर है। सेल्फी के लिए लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है। सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वालों के बारे में तो आपने बहुत सुना ही होगा लेकिन आज हम आपको सेल्फी से होने वाले ऐसे नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप सेल्फी लेने से घबराने लगेंगे। जीं हां दुनिया के कई मशहूर डर्मटोलॉजिस्ट ने इस बात की चेतावनी जारी की है कि ज्यादा सेल्फी लेना आपकी त्वचा को नुक्सान पहुंचा सकता है।

## ज्यादा सेल्फी लेने के नुकसान

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का जोखिम त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी बढ़ सकती है। ज्यादा सेल्फी लेने से आपकी त्वचा की उम्र तेजी से बढ़ने लगती है और आप समय से पहले बूढ़े लगने लगते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार फ्लैश लाइट और स्क्रीन से चेहरे पर पड़ने वाली ब्लू लाइट त्वचा के लिए काफी नुकसानदायक है। इसी के साथ बताया कि ब्लॉगर्स और ज्यादा सेल्फी लेने वालों को अब जल्दी ही संभल जाना चाहिए।

## त्वचा पर सेल्फी का असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियेशन आपकी त्वचा में मौजूद डीएनए पर बुरा असर डालता है। इस रेडियेशन के चलते शरीर की स्किन रिपेयरिंग की क्षमता पर भी काफी बुरा असर पड़ता है जिससे समय से पहले झुर्रियां दिखनी शुरू हो जाती हैं और माना जाता है कि किसी भी तरह की क्रीम या सनस्क्रीन इससे बचाव नहीं कर सकती। हालांकि एक अच्छा स्क्रब त्वचा के सेहत काफी अच्छी रख पाता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना हैं कि आप त्वचा को बाहर से हाइड्रेट नहीं कर सकते यानि उसकी पानी की जरूरत को बाहर से पूरा नहीं कर सकते। ये जरूरत अंदर से ही पूरी की जा सकती है।

जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो।

# हृदय में प्रेम का अंकुर जरूरी...

**प्रेम** शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाई गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाई जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्ति मार्ग में प्रेम ही प्रधान है। जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

## धर्म क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का धर्म अलग है, जैसे राजा का धर्म है प्रजा का ध्यान रखना। सैनिक का धर्म है युद्ध लड़ना, व्यापारी का धर्म है व्यापार करना। जब हम धर्म की परिभाषा इस तरह से करते हैं तो सवाल उठता है कि क्या चोर का धर्म है चोरी करना? फिर तर्क दिया जा सकता है कि नहीं, जो नीति-नियम सम्मत आचरण है वही धर्म है। अर्थात नैतिकता का ध्यान रखा जाना जरूरी है, तो सिद्ध हुआ की नीति ही धर्म है? श्रेष्ठ आचरण ही धर्म है? यदि ऐसा है तो दांत साफ करना नैतिकता है, लेकिन दांत साफ करना हिंसा भी है, क्योंकि इससे हजारों किटाणुओं की मृत्यु हो जाती है। जो आपके लिए नैतिकता है वह हमारे लिए अनैतिकता हो सकती है। धर्म के लिए हजारों लोगों की हत्या भी कर दी जाए तो वह नीति है उसे आप धर्मयुद्ध कहते हैं। तब हम कैसे मान लें की नीति या नैतिकता ही धर्म है? या फिर आप नैतिकता के नाम पर जो-जो गलत है उसे अलग हटाइए। इस नजरिए से वैदिक ऋषियों का विचार सबसे ज्यादा उपयुक्त लगता है कि सृष्टि, धर्म और स्वयं के हित और विकास में किए जाने वाले सभी कर्म धर्म हैं।

## धर्म का मर्म

रहस्य यह है कि सभी आध्यामत्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान प्राप्त करने और नैतिक रूप से जीने के मार्ग बताए थे। वेद, पुराणों, सभी धर्म ग्रंथों के अनुसार असल में धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। लेकिन समाज के ठेकेदारों ने धर्म के अर्थ को अधर्म का अर्थ बनाकर रख दिया है। आप लाख कितना ही किसी को भी समझाओ की दुनिया के सारे संप्रदाय एक ही तरह की शिक्षा देते हैं। उनका का इतिहास भी सम्मलित है, लेकिन फिर भी वे दूसरे के संप्रदाय से नफरत ही रखेंगे। इसका सीधा सा कारण है प्रत्येक अधार्मिक व्यवस्थाओं को धर्म मान लिया गया है। धर्म को परिभाषित करना उतना ही कठिन है जितना ईश्वर को। हिन्दू धर्म में धर्म को एक जीवन को धारण करने, समझने और परिष्कृत करने की विधि बताया गया है। धर्म ग्रंथो, पुराणो में व्याप्त कथाओं का अनुसरण कर ही हम अपने धर्म को भलीभांति जान सकते हैं। बहु-प्रचलित कथाओं के अनुसरण के आधार पर देखते हैं कि वह कथा हमें क्या शिक्षा देती है।

## मुक्ति का मार्ग

धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। देव, दानव, मनुष्य, पशु, पक्षी, इस सृष्टि में व्याप्त प्राणी मात्र में प्रेम का भाव ईश्वरीय देन है। इस आधार पर प्रेम ही सत्य है, प्रेम ही शाश्वत है। सच्चे प्रेम में एक दूजे से सत्य बोलना और सच्चाई और ईमानदारी से अपने साथी का साथ निभाने का गुण होता है। यही उनके प्रेम की सत्यता को प्रमाणित करने का प्रथम आधार होता है। प्रेम तो बस प्रेम मांगता जिससे भी हम प्रेम करते है उसकी खुशी, उसका साथ चाहता है। प्रेम मे तो वह दिव्य शक्ति है, जो हिंसक को भी अहिंसक बना दे। प्रेम हिंसा का नहीं, अपितु अहिंसा का मार्ग है। प्रेम निश्चित रूप से सिर्फ और सिर्फ आपस में एक दूजे से प्रेम करने वाले, जीवन भर के लिए एक दूजे का साथ पाने की सुखद अनुभूतियों व सपनों को जीने की इच्छा रखने वाले दो प्रेमियो के जीवन को प्रभावित करता है। विरह की वेदना प्रेमियो को तोड़कर रख देती है। वही अपने प्रेम को पाने की खुशी उसे ऊर्जा व विश्वास से भर देती है। अपने प्रेम को पाना, अपने प्रेमी का साथ पाना किसी भी तरह से किसी के साथ अन्याय नही है। हम जिससे प्रेम करते है उसका साथ पाने के लिये किया गया हर कर्म अपने साथी के साथ न्याय है। इस आधार पर प्रेम न्याय है। अर्थात निश्चित रूप से दो प्रेम करने वालो को अलग करना अन्याय है।

## प्रेम तो प्रेम है

प्रेम तो प्रेम ही है। बिना किसी दुर्भावना के निश्छलता के साथ अपने साथी की खुशी व साथ निभाने के लिये किया गया प्रेम ही वास्तविक प्रेम है। धर्म ग्रंथो में प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने की बात कही गई है। निश्चित रूप से आपका प्रेम भी इस सृष्टि का ही हिस्सा है। कुछ लोग कहेंगे कि यह तो ईश्वर के प्रति प्रेम के बारे में होगा। प्रेम तो प्रेम ही होता है। प्रेम तो हृदय से उत्पन्न भाव है। हृदय के भाव तो किसी के भी प्रति हो सकता है। ईश्वरीय प्रेम और मानवीय प्रेम में भेद नही किया जा सकता है। फिर प्राणीमात्र के प्रति समानता का भाव रखना भी तो धर्म ही है। सबसे महत्वपूर्ण तो बात यह है कि धर्मग्रंथों में व्याप्त कथाओं में कही भी केवल ईश्वर के प्रति प्रेम की बात नहीं कही गई। कथाओं में सती का शिव के प्रति हो या पार्वती का शिव के प्रति या फिर राधा का कृष्ण के प्रति या रुक्मिणी का गोविन्द के प्रति हर जगह प्रेम एक प्रेमिका का उसके प्रेमी के प्रति ही दर्शाया गया न कि भगवान के रूप में या भगवान के प्रति दर्शाया गया।

## प्रेम सर्वोपरि

धर्म का व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाला पहलु प्राणिमात्र को अपनी स्वेच्छा से जीवन जीने व अपना जीवनसाथी चुनने व प्रेम करने का अधिकार देता है। सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ प्रेम पूर्वक अपनों - परायों में भेद भाव न कर समानता से न्याय की बात करना। प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए। ईमानदारी के साथ हंसी खुशी अंतिम सांस तक जिंदादिली के साथ जीवन जीने पर ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

धर्म ग्रंथो में प्रेम का स्थान सर्वोपरि बताये जाने को जितना जाना, समझा गया है उस आधार पर तो यही कारण नजर आता है। धर्म के हर पहलु को लिए हुए होने के कारण ही शिव-शक्ति, राधा-कृष्ण, श्याम-रुक्मणि, अनेक महापुरुषों और ऋषि मुनियों ने प्रेम का गुणगान किया ।

संत कबीर का दोहा भी प्रेम की इसी विशालता व सर्वोपरिता को दर्शाता है ।

***पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,***
***ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।***

यानी बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

# जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती...

**वृंदावन** में एक स्थान ऐसा है, जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती। इस प्रसंग ने लोक मानस में यह बैठाया कि ज्ञानार्जन से अधिक ज्ञानानुभव महत्वपूर्ण होता है। बुद्धि से ज्यादा भावनाएं प्रमुख होतीं हैं। मस्तिष्क से अधिक दिल की बात सुननी चाहिए। इस स्थान को ज्ञान गूदड़ी कहते हैं। लोक में यह प्रसंग उद्धव-गोपी संवाद के रूप में जाना जाता है। भक्तिकालीन कवियों ने इस प्रसंग से यह स्थापित किया कि भगवान को पाने का सबसे सहज और सरल मार्ग भक्ति का है। शास्त्रों-पुराणों में यह प्रसंग नाम मात्र है। महाकवि सूरदास ने इस प्रसंग को विस्तार दिया। बात उस समय की है जब- कृष्ण गुरु संदीपन के यहां ज्ञानार्जन के लिए गये थे तब उन्हें ब्रज की याद सताती थी। वहां उनका एक ही मित्र था उद्धव, वह सदैव ज्ञान-नीति की, निर्गुण ब्रहम और योग की बातें करता था। श्रीकृष्ण का उद्धव से परिचय मथुरा में हुआ। उद्धव हर संदर्भ में नीतियों का सहारा लेते। परिणामस्वरूप उनसे बात करने वाला निरुत्तर रह जाता। उनके गहन अध्ययन और विद से प्रभावित लोग उन्हें देवताओं के गुरु बृहस्पति का शिष्य मानते। पहले परिचय में ही उद्धव ने अपनी ज्ञानपूर्ण बातों से श्रीकृष्ण को प्रभावित किया। श्रीकृष्ण को यह अनुभूति थी कि उद्धव को ज्ञान का गर्व है। शंका निवारण के लिए श्रीकृष्ण ने युक्ति निकाली। एक दिन उन्होंने उद्धव से बात करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ज्ञान का मार्ग सर्वोत्तम है। ज्ञान से व्यक्ति के मोहपाश खुल जाते हैं। माया के बंधनों से उसे मुक्ति मिल जाती है। इस तरह मोह-माया उसे दु:ख नहीं पहुंचाते। उद्धव को अपनी बात गंभीरता से सुनते देख गंभीर लंबी सांस लेकर श्रीकृष्ण ने कहा- उद्धव जी, क्या यह संभव है कि आप ब्रज जाकर गोपियों को समझाएं। उन्हें बताएं कि दुनिया का सार ज्ञान है, प्रेम नहीं। ज्ञान से प्राप्ति होती है, भावनाओं से नहीं। ज्ञान से शांति मिलती है, जबकि प्रेम अशांत करता है। ज्ञान दुखों से ऊपर उठाता है और प्रेम दुखों में डुबोता है। ज्ञान समस्याओं का अंत है और प्रेम दुखों का आरंभ। श्रीकृष्ण की बात सुनकर उद्धव के भीतर ज्ञानजन्य गर्व हिलोरें लेने लगा। उन्होंने ब्रज जाकर गोपियों को समझाने की बात मान ली। उन्होंने श्रीकृष्ण को आश्वासन दिया कि वे गोपियों को समझाकर कुछ दिन में ही लौट आएंगे। श्रीकृष्ण का संदेश लेकर उद्धव वृंदावन पहुंचे। उद्धव के आगमन का समाचार पूरे ब्रज में फैल गया। नंद बाबा के घर कुछ समय बिताने के बाद उद्धव गोपियों से मिलने पहुंचे। उद्धव ने देखा गोपियां बेहाल हैं। उद्धव को यह सब विचित्र लगा। गोपियों की दशा पर वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। ज्ञान गर्व पीड़ित हो उन्होंने आंखें मूंद लीं। आगे बढ़ने पर उन्हें सखियां से घिरी राधा दिखीं। अपूर्व सौंदर्य, सौंदर्य से अभिभूत उद्धव ने अपने को कृष्ण सखा बताकर राधा को प्रणाम किया। उद्धव ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं आपके लिए उनका संदेश लाया हूं। वह सोच रहे थे कि श्रीकृष्ण का संदेश सुनते ही गोपियां, मां यशोदा और नंदबाबा की तरह आनंद से भर उठेंगी। लेकिन राधा तो लगता है मद में हैं। उन्हें किसी की चिंता ही नहीं। उद्धव के अभिमान ने करवट ली। उनके मन ने कहा-अपने ज्ञान से वे कितने मूर्खों का जीवन बदल चुके हैं। फिर ये गोपियां क्या हैं? आखिर हैं तो स्त्रियां ही। प्रेम ने इनका मस्तिष्क दूषित कर दिया है। इनसे हार मानकर लौटना उचित नहीं। उद्धव ने एक बार फिर बात शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आपको श्रीकृष्ण के पास मथुरा कोई संदेश भेजना हो तो बताइए। इस पर राधा बोल पड़ीं- उद्धव जी हमारे हृदय प्रेम से भरे हैं। इसलिए हमें किसी संदेश या संदेशवाहक की आवश्यकता नहीं। प्रेम संदेश तो हृदय सुन लेता है। हम तो नित्य अपने मनमोहन को अपना संदेश सुनाती और उनका सुनती हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियां इस तरह डूबी हैं कि इन्हें संसार का ज्ञान ही नहीं रह गया। सांसारिक आचरण से यह ऊपर हो गई हैं। गोपियों के प्रेम के प्रति उद्धव के मन में आदरभाव पनप उठा। ज्ञान से बंजर हुए मस्तिष्क में प्रेम का अंकुर फूट पड़ा। ज्ञान की गूदड़ी में उन्हें प्रेम का हीरा मिल गया। उद्धव शांत हो गए। उन्हें लगा कि उन्होंने ज्ञानार्जन तो बहुत किया, लेकिन ज्ञानानुभव आज ही हुआ। उनका मन श्रद्धा से भर उठा। मस्तक वृंदावन की प्रेम भूमि पर नत हो गया।

# नैतिकता से दूर दानव की राह...

**नैतिक** शिक्षा ही मानव को 'मानव' बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है। सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। प्रसंग बताता है कि 'इन्द्र ने ब्राह्मण का रूप धारण करके प्रह्लाद के पास जाकर पूछा- ''आपको तीन लोकों का राज्य कैसे मिला ?'' प्रह्लाद ने इसका कारण नैतिकता यानी शील को बताया। इन्द ने प्रह्लाद से वरदान में नैतिकता यानी शील को मांग लिया। शील के जाते ही धर्म, सत्य, सदाचार, बल, लक्ष्मी सभी चले गये।''भारत की नैतिकता इतनी ऊंची थी कि सारा संसार अपने चरित्र के अनुसार शिक्षा प्राप्त करे। ऐसी घोषणा यहां की जाती थी। नैतिकता के अंग हैं -सच बोलना, चोरी न करना, अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। परन्तु आज ये शिक्षा ना तो बालक के माता-पिता, जिन्हें बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है, ना ही विद्यालय दे पा रहा है। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता का बोल-बाला है। आज का छात्र कहां जानता है, बड़ों का आदर-सत्कार, छोटों से शिष्ठता-प्यार, स्त्री जाति की सुरक्षा-सम्मान सत्कार। रही-सही कसर पूरी कर देता है हमारा फिल्मजगत और टेलिविजन प्रसारण। जो अश्लीलता की हर हदें पार कर चुका है और उसका मूल्य चुकाना पड़ता है समाज को, क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है अनुकरण करना। वह अनुकरण से ही सीखता है।

## सही सोच जरूरी

समाज में एक ज्वाला जली है हवस की। चारों तरफ, जहां पढ़ो, सुनो व देखने को मिलता है देश में महिलाओं के खिलाफ असामाजिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरी ओर यदि हम देखें तो साहित्य व सिनेमा जगत समाज का दर्पण होते हैं। जहां एक ओर वे गलत दिखाकर समाज को गलत राह पर ले जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सही सोच, सही प्रदर्शन दिशा भ्रमित होने से बचा सकता है। इतिहास बताता है कि 'राजा जयसिंह अपनी नव विवाहिता के प्रेम प्यार में आबद्ध होकर राजकाज भूल गये थे। बिहारी कवि की एक श्रृंगारिक अन्योक्ति ने राजा को सचेत कर कर कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर दिया- नहि परागु नहिं मधुर मधु नहि विकास इहिकाल। अलि कली ही सों बिंध्यौ, आगे कौन हवाल ।। इस दोहे ने राजा जयसिंह की आंखें खोल दी थी। यहां पूरे ही समाज का दायित्व हो जाता है कि हम अपने नैतिक मूल्यों का पुर्नस्थापन करें।

## मार्ग को भूल गए

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भारत ही वह देश है जो जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ अब तक पर्वत से भी अधिक दृढ़ भाव से खड़ा है। अफसोस! आज हम अपने पूर्वजों के दिखाए, बताये मार्ग को भूल गए हैं। पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति को अपनाते-अपनाते, ना तो हम खुद को ही पहचान पा रहे है, ना ही पाश्चात्य को। कुछ हम आजादी मिलने का अर्थ कुछ और ही ले रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर वहां की महिलाओं की स्थिति है। नारी राष्ट्रीय व सामाजिक जीवनामृत का केन्द्र है। जो राष्ट्र समाज में स्त्रियों का आदर नहीं करना चाहते व कभी महान बन ही नहीं पाएंगे। देश के वर्तमान पतन का मुख्य कारण यही है कि हमने शक्ति की इन सजीव प्रतिमाओं के प्रति आदरभाव नही रखा। स्त्रियों के प्रति घृणित दृष्टि निन्दनीय है। माँ के रूप में, बहन-बेटी के रूप में महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा, स्नेह व दुलार देना समाज का कर्तव्य है। नैतिकता और सदाचार ही राष्ट्रीय जीवन का आधार है।

## सही मार्गदर्शन मिलें

आज समाज में इन्ही नैतिक मूल्यों की स्थापना की सबसे अधिक जरूरत है। प्रत्येक बच्चे को सही मार्गदर्शन मिले, यह उचित शिक्षा ही कर सकती है। नैतिकता का पाठ पढ़ाया नहीं जा सकता, वरन् उसे चरित्र में उतारना है। गीता को कंठ से गाना ही नहीं होता वरन् उसका अक्स अपने हृदय में बसाना होगा तभी यह देश स्त्रियों, मासूम बच्चियों का आदर, सुरक्षा का दर्जा दे पायेगा। वरना मानव दानव का रूप धर चुका है तथा उसका रुकना कठिन ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

# जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

**क्या** आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

**बात पर कायम रहें:** आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

**प्रोटोकॉल फॉलो करें:** आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

**रेफरेंस तैयार करके जाएं:** आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

**दरवाजे खुले रखें:** ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

**बात पते की:** ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**